हरिभूमि
# इस्पात भूमि
रायपुर, मंगलवार, 5 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 33.6 डिग्री
न्यूनतम 22.6 डिग्री

10 ग्रंथों ने लोगों को ज्ञान, विज्ञान, प्रेम और मोक्ष प्राप्ति की दिशा दिखाई : सुषमा



11 ग्रीन डे पर विद्यार्थियों ने किया पौधारोपण

## खबर संक्षेप

### हथियार लेकर घूमने वाला आरोपी गिरफ्तार

**भिलाई।** धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने धमकाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि जामुल पुलिस थाने की पेट्रोलिंग के दौरान सूचना पर टीम पहुंची। जहां तीन तालाब लक्ष्मी चैक से.11 निवासी हेमंत कुमार जोशी नामक युवक अवैध रूप से धारदार हथियार चाकू रखा था। शीतला तालाब के पास छावनी में सांस्कृतिक कार्यक्रम में आकर आने जाने वालों को धमका रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आरोपी के पास से धारदार हथियार चाकू जब्त किया। थाना प्रभारी जामुल निरीक्षक राजेश मिश्रा समेत टीम का योगदान रहा है।

### मोबाइल और नकद लूटने वाले दो आरोपी गए जेल

**भिलाई।** लूटपाट करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि आजाद चौक राम नगर वैशाली नगर निवासी दीपक कुमार त्रिपाठी ने जामुल पुलिस में शिकायत किया। जिसमें देवपाल पर्वत का दोस्त फोन कर शंकराचार्य अस्पताल जाने की बात कहकर दोनों साथ गए। पहले गोकुलधाम लेकर दोस्त आया जहां पहुंचने पर पहले से ही देवपाल पर्वत खड़ा था। धमकी देते हुए इसके पास रखा मोबाईल, नगदी 6 हजार रुपये को लूट लिया। जामुल पुलिस ने आरोपी की तलाश में जुटी रही। मुखबिर की सूचना पर आरोपी राम नगर निवासी देवपाल पर्वत, संदीप सिरोमणी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपियों से पूछताछ करने पर अपना घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

### मोबाइल शॉप से 85 हजार का सामान पार

**भिलाई।** मोबाइल शॉप का ताला तोड़कर मंहगे मोबाइल समेत अन्य सामान पार करने का मामला सामने आया है। उतई पुलिस ने बताया कि सेलूद चौक में योगेश मोबाईल शॉप है। जिसका संचालक ग्राम घुघुवा निवासी योगेश साहू है। 1-2 अगस्त की दरम्यानी रात अज्ञात ने शॉप का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। शॉप से 11 मोबाइल फोन को चोरी कर फरार हो गया। संचालक रात को दुकान बंदकर अपने घर चला गया। दूसरे दिन सुबह यादव होटल के मालिक ने संचालक को कॉल कर बताया कि मोबाइल दुकान में चोरी हो गई है। चेक करने पर मंहगे मोबाइल गायब मिले। चोरी हुए मोबाइलों की कुल कीमत 85 हजार रुपए आंकी गई है।

# 25 दिन में दूसरी बार सर्वर फेल, रजिस्ट्री के लिए लंबा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

दुर्ग जिला रजिस्ट्री कार्यालय नए भवन में शिफ्ट होने के बाद से सर्वर फेल की समस्या से जूझ रहा है। शुक्रवार से सर्वर की फिर नई समस्या शुरू हुई है। पिछले 25 दिनों में यह दूसरी बार है कि सर्वर फेल हुआ है। इसके पहले 9 व 10 जुलाई को सर्वर फेल हो चुका है। सर्वर की इस समस्या की वजह से दूर दराज गांव से रजिस्ट्री के लिए आने वाले लोगों को वापस जाना पड़ रहा है। ऐसे लोगों को कब फिर बुलाया जाएगा यह फिर से नया टोकन लेने के बाद ही पता चल पाता है।

## 9 व 10 जुलाई को पहले भी सर्वर हो चुका ठप, दूर गांव के लोगों को पड़ रहा है लौटना, फिर से लेना पड़ रहा है टोकन

### फिर से टोकन लेने की पड़ती है जरुरत

प्रभावित लोगों ने बताया कि जिस दिन की रजिस्ट्री का टोकन मिलता है उस दिन यदि रजिस्ट्री नहीं हुई तो दूसरे दिन बुलाते हैं। इस दिन भी रजिस्ट्री नहीं हो पाई तो और किसी तिथि को बुलाई जा रही है। यानी जिस दिन की डेट मिल रही है उस दिन फिर नए सिरे से रजिस्ट्री के लिए टोकन लेना पड़ेगा। पुराना टोकन रद्द मान लिया जाता है।

### दो बार डिजिटल हस्ताक्षर की अनिवार्यता भी मुसीबत बनी

प्रभावितों ने बताया कि राज्य शासन के नए नियम के हिसाब से अब दो बार डिजीटल हस्ताक्षर लिए जा रहे हैं। पहले दस्तावेज लेखक के पास डिजीटल हस्ताक्षर करना पड़ रहा है। इसमें जमीन विक्रेता, क्रेता और दो गवाहों के डिजीटल हस्ताक्षर होते हैं। यहां से उप पंजीयन कार्यालय में एप्रूअल लेना पड़ता है। एप्रूअल के बाद उप पंजीयक कार्यालय में कक्ष क्रमांक तय होते हैं। यहां जाकर विक्रेता, क्रेता और दोनों गवाह के फिर से डिजीटल हस्ताक्षर करना होता है। इस दौरान सर्वर फेल रहा तो दस्तावेज लेखक के पास हुउ डिजीटल हस्ताक्षर भी बेकार चला जाता है। इसी प्रक्रिया को जब फिर से टोकन लेंगे तो उस दिन दोहराया जाता है। इस तरह का चक्कर कई दिनों तक चल रहा है। जिससे रजिस्ट्री करवाने वाले लोग खासे परेशान हैं। रोजाना बड़ी संख्या में लोग जमीन की खरीदी-बिक्री के लिए पंजीयन कार्यालय पहुंच रहे हैं।

## बीएसपी से की जा रही पेयजल की सप्लाई, निगम ने जांच के लिए भेजा सैंपल

# टाटा लाइन में नालियों से गुजर रही पेयजल पाइप लाइन, संक्रमित पानी पीने से फैल रहा पीलिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

हरिभूमि सरोकार

भिलाई नगर निगम के खुर्सीपार क्षेत्र स्थित वार्ड 36 वार्ड में पीलिया का संक्रमण फैला हुआ है। लोगों ने इसका कारण टाटालाइन में पिछले दस दिनों से घरों मे आ रहा संक्रमित मटमैला पानी की सप्लाई को बताया है। लोगों का आरोप है कि यहां पेयजल की पाइप लाइन नाली के बीच से होकर गुजरी है। वहीं से गंदा पानी घरों में पहुंच रहा है।

नगर निगम की टीम ने यहां का सर्वे करके पानी के सैंपल को टेस्ट के लिए भेजा है। आपको बता दें कि टाटालाइन में जो पेयजल की सप्लाई हो रही है वो बीएसपी द्वारा की जा रही है। यहां गंदा पानी पीने से 7 लोग पीलिया से संक्रमित मिल चुके हैं। इसमें दो बच्चों प्रख्या रामटेके (6 साल) का इलाज श्रीशंकराचार्य हॉस्पिटल और पायल बंछोर का इलाज गुरुनाथ हॉस्पिटल में चल रहा है। पीलिया की शिकायत के बाद सोमवार को नगर निगम भिलाई और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम प्रभावित क्षेत्र जांच करने पहुंची। उनके द्वारा 256 घरों का सर्वे किया गया। सर्वे में पीलिया का एक नया मरीज मिला है, वहीं 4 संभावित मरीज मिले हैं।

- 256 घरों की जांच, 4 संभावित और एक नया मरीज मिले, दो बच्चे पहले से भर्ती

## नालियों की नहीं हो रही नियमित सफाई, पूरे शहर में बजबजा रही

### दो हजार की आबादी दूषित पानी पीने मजबूर

वार्ड क्रमांक 36 में बीएसपी क्वार्टर है। इसे टाटा लाइन के नाम से जाना जाता है। इस एरिया की आबादी करीब 2 हजार है। ये लोग दूषित पानी पीने मजबूर हो रहे हैं। इस वार्ड में ही महात्मा गांधी नगर है। यहां की आबादी करीब 1300 की है। इस नगर में बीएसपी व शिवनाथ नदी दोनों का पानी सप्लाई हो रही है। यहां ज्यादातर घरों में इन दिनों मटमैला पानी आ रहा है। इसकी शिकायत के बाद भी कोई सुधार नहीं आया है।

### निगम ने कलेक्ट किया पानी का सैंपल

भिलाई निगम ने प्रभावित इलाके में जाकर पानी के सैंपल एकत्र किए हैं। जिसे जांच के लिए भेजा गया है। वहीं निगम की टीम और स्वास्थ्य विभाग की टीम घर घर जाकर लोगों को क्लोरीन की टेबलेट बांट रही है और पीलिया से बचाव के लिए पानी को उबाल कर पीने की सलाह दे रही है। कुछ जगहों पर निगम ने नालों की साफ सफाई भी करवाई और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया।

### एक की मौत की वजह लीवर प्राब्लम

जिला स्वास्थ्य विभाग ने एक व्यक्ति की मौत पीलिया से होने के मामले की जांच की। जिला प्रभारी अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे ने बताया कि मरीज शराब सेवन करने का आदी था। जिसकी वजह से वह लीवर समस्या से लंबे समय से जूझ रहा था। पीलिया भी इसी वजह से हुआ। मौत की वजह सेप्टिक शॉक के साथ क्रानिक लीवर डिसेस व गाल ब्लेडर की समस्या मुख्यतौर पर रही है।

## प्रभावित इलाकों के रहवासियों ने कुछ इस तरह से बताया अपना दर्द, निगम में नहीं हो रही सुनवाई

### बीमार पड़ रहे परिवार के लोग, हो रहे भर्ती

पानी गंदा आ रहा है। उबाल कर भी हम पी रहे हैं। लेकिन बच्चों को कितना समझाए। वे गुंडी से पानी निकालकर पी लेते हैं और बीमार पड़ जाते हैं। बेटे अमीत और मां बायाबाई बीमार पड़ गए। उन्हे अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा।

-रीता आसटकर

### दस दिनों से दूषित पानी की सप्लाई

पिछले दस दिनों से ज्यादातर घरों में दूषित पानी आ रहा है। इसकी शिकायत भी हमने की लेकिन अब तक सुधार नहीं आया। बीएसपी की पाइप लाइन से पानी टाटालाइन में आ रहा है।

-मीरा रामटेके

### दोनों पानी है दूषित



इस एरिया में बीएसपी और शिवनाथ नदी दोनों का पानी आता है। पिछले सप्ताहभर से पानी साफ नहीं आ रहा। इस पानी का उपयोग पीने लायक नहीं रहता। क्लोरीन डालकर पीने मजबूर है लेकिन रोजाना कब तक ऐसा करते रहेंगे। गुंडी का पानी भी उन्होने दिखाते हुए कहा क्या ऐसे पानी पी सकते हैं।

-सरिता साहू

### पाइप लाइन नाली में

पानी सप्लाई की पाइप लाइन नालियों से होकर गुजरी है। नालियों की सफाई ही नियमित नहीं होती। नालियां बजबजा रही है। इसी स्थान से पेयजल की पाइप लाइन के माध्यम से घरों में पानी पहुंच रहा है।

-चमेली देवांगन

### आसपास बोरिंग भी नहीं

गंदा पानी पीने की मजबूरी है। आसपास हैंडपंप भी नहीं है जहां से पानी ला सके। हैंडपंप जलेबी चौक पर है। जिसकी वजह से पेयजल की समस्या बनी हुई है। पानी की जांच के लिए नमूने ले गए हैं। टीम घरों का सर्वे कर रही है।

-मंदा मधुकर

# केके यादव सहित बीएसपी के 14 अफसरों के तबादले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बीएसपी में एक दर्जनभर से अधिकारी इधर उधर किए गए हैं। स्थानांतरित अधिकारियों में महाप्रबंधक केके यादव भी शामिल हैं। जल्द ही कुछ और अफसरों के तबादले की आसार हैं। जीएम एचआर नॉन वर्क्स एंड इम्प्लाइज सर्विस जेएन ठाकुर अब जीएम एचआर नॉन वर्क्स होंगे। पीआर में आए ईडी एचआर पवन कुमार के कार्यालय के जीएम राजीव कुमार। जीएम टीएसडी शॉप, लीज, लाइसेंस राजेश कुमार साहू अब स्टेट कोर्ट में बैठेंगे। दस जीएम सहित 14 अधिकारियों का तबादला किया गया है। अंतरविभागीय सर्कुलर जारी कर दिया गया है। जीएम एचआर नान वर्क्स एंड इम्प. सर्विस जेएन ठाकुर अब एचआर नान वर्क्स देखेंगे। कार्यपाल निदेशक पवन कुमार जनसंपर्क जीएम की जिम्मेदारी संभालेंग। डायरेक्टर इंचार्ज सचिवालय के जीएम अतुल नौटियाल के स्थान पर अजय कुमार रखा गया है।। केके यादव जीएम प्रवर्तन व पीएचडी से स्थानांतरित कर अब सिर्फ जीएम टीएसडी कर दिया गया है। बेदखली मुहिम को लेकर यादव लंबे समय से सुर्खियों में थे। तुषार राय चौधरी की घर वापसी। राजहरा से बीएसपी माइंस मुख्यालय में ट्रांसफर। जीएम एचआर नॉन वर्क्स एंड इम्प्लाइज सर्विस जेएन ठाकुर अब जीएम एचआर नॉन वर्क्स होंगे। स्पोर्ट, कल्चरल आदि डिपार्टमेंट जेएन ठाकुर को ही रिपोर्ट करेगा। जीएम एचआर मिल, एमएंडएस संजय द्विवेदी जीएम एचआर वर्क्स होंगे। जीएम टीएसडी शॉप, लीज, लाइसेंस राजेश कुमार साहू स्टेट कोर्ट भेजे गए हैं। डायरेक्टर इंचार्ज सचिवालय के जीएम अतुल नौटियाल अब शॉप, लीज, लाइसेंस विभाग संभालेंगे। जीएम एचआर वेलफेयर के सुपर्णा जीएम एचआर वेलफेयर, आयरन और स्टील व जीएम एचआर आयरन एंड स्टील आर रंजनी अब जीएम एचआर स्ट्राटेजिक-एचआर एंड पीआइओ होंगी। इन्हीं के पास रूल्स, एचआरआइएस, एमपीएस आदि के अधिकारी रिपोर्ट करेंगे। जीएम एचआर माइंस अजय कुमार अब जीएम डायरेक्टर इंचार्ज सचिवालय होंगे। डीजीएम एचआर-एमपीएस प्रताप शेखर नायक अब डीजीएम एचआर मिल्स एंड एमएंडएस होंगे। राजहरा से एजीएम तुषार राय एचआर माइंस बुलाए गए हैं।एचआर आइओसी राजहरा के असिस्टेंट मैनेजर के शशांक राव अब भिलाई के एचआर आइआर एंड सीएलसी व जूनियर मैनेजर एचआर-एसजेड-1 राजेश कुमार पांडेय राजहरा भेजा गया है।

- दस जीएम का भी हुआ तबदला

# राजस्व वसूली में लापरवाही बरतने वाले दुर्ग निगम के 16 कर्मचारियों की सैलरी रुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग में राजस्व वसूली में बड़ी लापरवाही सामने आई है। इसके बाद आयुक्त सुमित अग्रवाल ने 16 कर्मचारियों का वेतन रोकने का आदेश जारी किया गया है। राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में यह खुलासा हुआ।

वसूली के निर्धारित लक्ष्यों की गंभीर समीक्षा की गई। बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि कर्मचारियों द्वारा लगातार निर्देशों के बावजूद भी वसूली का प्रतिशत काफी कम रहा, जिससे राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति प्रभावित हो रही है। आयुक्त ने इसे कार्य के प्रति लापरवाही और गैरजिम्मेदाराना रवैया मानते हुए कड़ी कार्रवाई करते हुए 16 कर्मचारियों का वेतन आगामी आदेश तक रोकने का निर्देश जारी कर दिया है। आयुक्त के जारी आदेश के अनुसार जब तक राजस्व वसूली में सुधार नहीं होता, तब तक यह निर्णय प्रभावी रहेगा। जानकारी के मुताबिक जिन कर्मचारियों की सैलरी रोकी गई है, उनमें लवकुश शर्मा, निर्मल चन्द्राकर, संकेत धर्मकार, नरेन्द्र मनहरे, विनित वर्मा, बलदाउ पटेल, सुनील कुमार यादव, विवेक सालवनकर, सिद्धांत शर्मा, विजेन्द्र पटेल, दीपक साहू, विनोद उपाध्याय, रतनदीप कसार, अनुपम ताम्रकार, लक्ष्य गोईर, पवन नायक शामिल हैं। आदेश नगर पालिक निगम दुर्ग के स्थापना शाखा एवं राजस्व शाखा को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया है। आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लक्ष्यपूर्ति ही कर्मचारियों की जवाबदेही का पैमाना होगी।

- आयुक्त ने जारी किया आदेश

### लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई

राजस्व वसूली में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों की फिलहाल सैलरी रोकी गई है। यदि जल्द ही कार्यों में सुधार नहीं हुआ तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया है।

-सुमित अग्रवाल, आयुक्त नगर निगम दुर्ग

## नंदिनी पुलिस के जवानों ने की मारपीट

**भिलाई।** नंदिनी पुलिस के दो जवानों ने युवक के साथ मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना की शिकायत युवक ने थाना प्रभारी को लिखित में किया है। अहिवारा निवासी प्रशांत सिंह नामक युवक घर पर खाना खा रहा था। इस दौरान थाने के दो आरक्षक दिनेश, विजय गायकवाड जबरन उसके घर में प्रवेश कर गाली गलौज करने लगे। प्रशांत को घर से नंदिनी थाने लेकर आ गए। जहां मारपीट किया गया। प्रशांत का आरोप है कि मारपीट में उसके कान से सुनाई नहीं दे रहा है। मारपीट में प्रशांत के शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोट आई है। प्रशांत का आरोप है कि परिजनों के साथ भी आरक्षकों ने गाली गलौज किया है। प्रशांत के साथ मारपीट करने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 151 लगाकर छोड़ दिया गया है।

## सीएएफ के जवान ने की आत्महत्या

**भिलाई।** दुर्ग जिले के एक जवान ने अपने ही राइफल से गोली चलाकर आत्महत्या कर ली। घटना कोंडागांव जिले में बयानार के सीएएफ की दूसरी बटालियन शिविर में हुई। मिली जानकारी के मुताबिक में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ ) का जवान दुर्ग निवासी दिनेश सिंह चंदेल ने रविवार देर रात अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जवान सीएएफ कैंप में प्लाटून कमांडर के पद पर पदस्थ था। घटना की जानकारी लगने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शिविर में अपने कमरे के भीतर अपनी एके-47 राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर उनके सहकर्मी पहुंचे और उन्हें मृत पाया गया।

## पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

9300663610, 7489348301

## खबर संक्षेप

### सीएम आज भिलाई में

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आज जयंती स्टेडियम में आएंगे। कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री श्री साय 5 अगस्त को सुबह 9.15 बजे मुख्यमंत्री निवास सिविल लाइन रायपुर से कार द्वारा प्रस्थान करेंगे। वे सुबह 10 बजे जयंती स्टेडियम भिलाई पहुंचेंगे। सुबह 11 बजे भिलाई से प्रस्थान करेंगे।

### निर्मला की आंखों से दो को मिलेगी रौशनी

दुर्ग। पद्मनाभपुर निवासी पूर्व टैक्स कंसल्टेंट हुकुमचंद बाफना की पत्नी निर्मला बाफना के निधन के पश्चात उनके नेत्रों से दो लोग दुनिया देख पाएंगे। निर्मला बाफना के निधन के पश्चात उनके पति हुकुमचंद बाफना, पुत्र विनय, विपिन एवं विकास बाफना, पुत्री विभा, बहु रेखा, ममता, संजू बाफना ने नेत्रदान की सहमति दी। जानकारी मिलते ही नवदृष्टि फाउंडेशन के राज आढ़तिया, कुलवंत भाटिया, रितेश जैन, मंगल अग्रवाल, हरमन दुलई, राजेश पारख, जितेंद्र हासवानी, प्रभुदयाल उजाला नेत्रदान प्रक्रिया में सहयोग किया। श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज की डॉ संदीप बचकर व नेत्र सहायक विवेक कसार ने कॉर्निया कलेक्ट किया।

### नारायण ई-टेक्नो स्कूल में अलंकरण समारोह

भिलाई। नारायण ई टेक्नो भिलाई में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह नवनिर्वाचित हेड बॉय, हेड गर्ल, हाउस कैप्टन, वाइस कैप्टन एवं अन्य छात्र प्रतिनिधियों के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिसमें विद्यालय ने भविष्य के नेताओं को जिम्मेदारी सौंपने का अवसर प्रदान किया। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मुख्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ । मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, समाजसेवी सुरेंद्र शर्मा एवं बीजेपी नेता आशीष बढ़जात्या ने छात्रों को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी । समारोह में नारायण ई-टेक्नो भिलाई के प्राचार्य संतोष सरिपल्ली, क्लस्टर प्रिंसिपल अभिषेक नायडू एवं एजीएम नमन शर्मा द्वारा सभी छात्र पदाधिकारियों को कर्तव्य निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई।

### सेक्टर-7 तिराहे पर स्ट्रीट लाइट छह माह से बंद

भिलाई। सेंट्रल एवेन्यू सेक्टर 7 तिराहे पर रात में व्याप्त अंधेरे के कारण लोगों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तिराहे की स्ट्रील लाइंट करीब छह महीने से बंद है । इससे क्रास स्ट्रीट का मोड़ होने दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि अंधेरे के कारण डिवाइडर दिखाई नहीं देने से बाइक सवार टकराकर गिरते रहते हैं। बारिश में झाड़ियों से निकलकर सड़क पर रेंगने वाले सांप भी दिखाई नहीं देते हैं। इस रोड पर रात 11 बजे तक आवाजाही बनी रहती है।

### लापरवाही : जनदर्शन में शिकायत के बाद पूरे मामला का खुलासा, पीड़ित ने प्रधानमंत्री से भी की शिकायत

# इंटकवेल की जगह को लेकर बखेड़ा, जिस प्रयोजन के लिए जगह ली, उसका नहीं किया उपयोग, बाद में बना दी पुष्पवाटिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

जल आवर्धन योजना को लेकर महमरा एनीकट के करीब अधिग्रहित की गई जमीन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस क्षेत्र में नगर निगम दुर्ग ने इंटकवेल और पेयजल से जुड़ी पाइपलाइन बिछाए जाने के नाम पर जिस जमीन का अधिग्रहण किया गया, उस जमीन के एक बड़े हिस्से का उपयोग ही नहीं किया गया। वर्तमान में इस जमीन का एक बड़ा हिस्से में पुष्पवाटिका का निर्माण हो गया। इसे लेकर आपत्ति की गई है।

आपत्ति ब्राह्मण पारा निवासी नारायण शर्मा ने की है। उन्होंने इसकी लिखित शिकायत जनदर्शन में की है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मामले में निष्पक्ष जांच कर जमीन का अधिकार दिलाए जाने की मांग की है। बता दें कि यह पूरा मामला वर्ष 1988 का है। इस मामले में शिकायतकर्ता का आरोप है कि नगर निगम दुर्ग ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर अधिकार प्राप्त किया। इसे लेकर मुआवजा भी नहीं दिया गया। वर्तमान में इस जगह पर कई अन्य निर्माण किए गए हैं। साथ ही नए कार्यों को लेकर योजना भी तैयार की जा रही है। इस पर यह पूरी आपत्ति लगाई गई है।

**निगम पर दस्तावेजों से छेड़छाड़ का लगा आरोप, मुआवजा तक नहीं दिया गया, अब होगी नए सिरे से जांच**

#### अधिग्रहित भूमि के आधे हिस्से में ही पेयजल का सेटअप

जानकारी के मुताबिक लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा दिनांक 15 अप्रैल 1988 को भेजे गए पत्र क्र. 575 में जिन भूमि खसरा नंबरों का उल्लेख किया गया है, उनमें उनके दादा की भूमि शामिल नहीं है। उक्त पत्र में खसरा नंबर 381, 382, 383/1 और 383/3 को परियोजना हेतु आवश्यक बताया गया है, जिन पर ही निर्माण कार्य (इंटक वेल, विद्युत उपकेन्द्र आदि) हुआ है। निगम ने बाद में 23 जुलाई 1988 को भेजे गए पत्र में कूट रचना करते हुए उनके दादा की भूमि को भी परियोजना की प्रावधानित भूमि बताकर अधिग्रहण प्रक्रिया में शामिल किया गया, जबकि उस पर कोई निर्माण नहीं हुआ था।, न ही किसी प्रकार का हस्तांतरण हुआ। इस मामले में निष्पक्ष जांच हो। उन्होंने विधायक गजेंद्र यादव से भी मांग है कि इस मामले को विधानसभा में रखे, ताकि सही जानकारी उपलब्ध हो सके।

**फिलहाल जानकारी नहीं यदि ऐसा कुछ है तो जांच होगी**

फिलहाल इस बारे में जानकारी नहीं है, यदि ऐसा कुछ है तो उसकी जांच होगी। मामला काफी पुराना है, इसलिए स्पष्ट जानकारी नहीं है। शिकायत का परीक्षण करने के बाद इसमें निर्णय लिया जाएगा। यदि अधिग्रहण की प्रक्रिया हुई है, तो मुआवजा भी तय हुआ होगा। अवार्ड भी पारित हुआ होगा।
**-सुमित अग्रवाल,** आयुक्त नगर निगम दुर्ग

#### जानिए क्या है पूरा मामला

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा वर्ष 1988 में जल प्रदाय परियोजना हेतु की गई भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू की गई। उस समय लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने करीब 5 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया। जमीन का अधिग्रहण इंटकवेल और जल आवर्धन योजना के अंतर्गत अन्य निर्माण के लिए किया गया, लेकिन जमीन का उपयोग सिर्फ ढाई एकड़ किया गया। नारायण शर्मा ने बताया कि उनके दादा स्व. बालाराम शर्मा के नाम पर दर्ज कृषि भूमि (खसरा नंबर 375/1 एवं 378, कुल रकबा 0.694 हेक्टेयर) का अधिग्रहण किया गया था। इस जमीन का उपयोग नहीं हुआ। बाद में कूटरचित तरीके से बगीचा जोड़कर अधिग्रहित किया जाना बताया गया, जबकि पीएचई के रिकार्ड में इसका उल्लेख नहीं है। इस प्रकार रिक्त जमीन पर 2005 में पुष्प वाटिका का निर्माण किया गया। वर्तमान इस भूमि का मुआवजा भी नहीं दिया है।

## आर्थिक तंगी से जूझ रहा निगम और मेयर बाघमार मना रहीं सावन तिहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

नगर निगम दुर्ग द्वारा 2 और 3 अगस्त को मनाए गए सावन तिहार को लेकर राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। इसे लेकर कांग्रेस और विपक्षों दलों के पार्षदों ने दुर्ग महापौर अल्का बाघमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले ने कहा कि नगर निगम दुर्ग पहले ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। विकास कार्यों के लिए एक ढेला नहीं है। जरुरत के काम भी प्रभावित हो रहे हैं। इस बीच महापौर सावन तिहार बना रही हैं। इसमें भी पूरे कार्यक्रम का राजनीति करण किया गया। कार्यक्रम में सिर्फ भाजपा के पार्षद, कार्यकर्ता और नेता नजर आए। कोहले ने बताया कि सड़क पानी बिजली जैसी बुनियादी सुविधा देने के मामले में निगम की भाजपाई परिषद पूरी तरह फेल हो चुकी है। सफाई की योजना फेल हो चुकी है। निगम के दो-दो भवन होने के बावजूद प्राइवेट भवन में कार्यक्रम कराया गया। नगर उत्थान की राशि स्वीकृत हुई है, यह कार्य पूर्व परिषद द्वारा स्वीकृत कराया जा चुके हैं।

- नेता प्रतिपक्ष कोहले और कांग्रेसी पार्षदों ने लगाए आरोप

#### धमधा नाका एसएलआरएम सेंटर बना डंपिंग यार्ड

संजय कोहले ने कहा सुराना कॉलेज के सामने और धमधा रोड के दोनों एसआरएलएम सेंटर डंपिंग यार्ड बनकर रह गया है। सैकड़ों टन कचरा डंप हो रहा है। धमधा नाका की हालत यह है कि यहां की दीवार ढह गई। कचरा सड़क पर फैल रहा है। बारिश होने पर कीचड़ी और उठती बदबू से लोग परेशान हैं। शहर के स्ट्रीट लाइट बंद पड़े हैं। कहीं कोई देखने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि जल्द ही समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी।

## जल निकासी बाधित गांव में जलभराव से बीमारी का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित 105 आवेदन प्राप्त हुए।

- मांगों एवं समस्याओं के 105 आवेदन मिले

इसी तरह ग्राम गोंडपेंड्री के किसानों एवं ग्रामवासियों ने जल निकासी रास्ता बंद किए जाने की शिकायत की। ग्राम गोंडपेंड्री तहसील पाटन के किसानों ने बताया कि खदान मालिक द्वारा जल निकासी का रास्ता बंद कर दिए जाने के कारण लगभग 70 एकड़ कृषि भूमि पर फसलें बर्बाद होने की स्थिति में हैं। जल निकासी रास्ता बंद करने से गांव की बस्ती में पानी भरने से मौसमी बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। इस दौरान नगर निगम दुर्ग, रिसाली, भिलाई, खाद्य विभाग, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। जनदर्शन कार्यक्रम में ग्राम सभा नंदकट्टी एवं ग्रामवासियों ने बताया कि गांव की शासकीय चारागाह भूमि पर कुछ किसानों द्वारा धान और सब्जी की फसल बोई जा रही है, जिससे मवेशियों के लिए चारे की समस्या उत्पन्न हो गई है। चरवाहों ने पशुओं को चराने से इनकार कर दिया है, जिसके चलते मवेशी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

#### चर्म रोग विशेषज्ञ की मांग

दुर्ग निवासी ने जिला चिकित्सालय में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति करने व कैथ लैब की व्यवस्था के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय में चर्म रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति नहीं होने एवं कैथ लैब के अभाव में मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। त्वचा संबंधी रोगों से पीड़ितों को निजी क्लीनिकों में जाना पड़ रहा है, जिससे आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

## ग्रंथों ने लोगों को ज्ञान, विज्ञान, प्रेम और मोक्ष प्राप्ति की दिशा दिखाई : सुषमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा व्यास पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- कन्या कॉलेज में व्यास पूजा का आयोजन

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक परिवेश में भारतीय ज्ञान परम्परा से परिचित कराने के लिए वैदिक ज्ञान एवं महाकाव्य की प्रासंगिकता को समझने के लिए व्यास पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। विद्यार्थी विषय ज्ञान के साथ अपने संस्कार को भी समझे तथा वेद व्यास द्वारा रचित ग्रंथों एवं महाकाव्य आदि का अध्ययन कर नैतिक गुणों का विकास करें।

डॉ. सुषमा यादव ने कहा कि महर्षि वेद व्यास द्वारा निर्देशित एवं संग्रहित ग्रंथों ने लोगों को ज्ञान, विज्ञान, प्रेम और मोक्ष प्राप्ति की दिशा में अग्रसर होने के लिए मार्ग प्रशस्त किया है। वेद व्यास ने वेदों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा की नींव रखी। उस ज्ञान को हमें अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। डॉ. ऋतु दुबे ने कहा महर्षि वेद व्यास (कृष्ण द्वेपायन) का विस्तृत जीवन परिचय देते हुए महाभारत की रचना का प्रसंग प्रस्तुत किया। गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए रामायण का प्रसंग प्रस्तुत किया और रावण का उदाहरण देते हुए बताया की राम के गुरु बनकर किस तरह अपने दायित्वों का निर्वाह किया। गुरु को हमेशा शिष्य के प्रति एवं शिष्य को गुरु के प्रति समर्पित होना चाहिए इस अवसर पर निधि देशमुख, कुमारी कविता मालेकर, ट्विंकल साहू, कृष्णा साहू ने अपने विचार प्रस्तुत किया। संचालन कुमारी हर्षिता ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया।

## दोगुना जमा करना होगा बिल, भाजपा का असली चेहरा उजागर : राकेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल में 400 यूनिट तक की खपत पर बिजली बिल हाफ योजना में भाजपा सरकार ने बदलाव किया है। इस संबंध में ऊर्जा विभाग द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है।

आदेश के अनुसार केवल 100 यूनिट तक के बिजली बिल मे ही बिजली बिल आधा का प्रावधान कर दिया है, जो 1 अगस्त 2025 से लागू भी कर दिया गया है। इसे लेकर कांग्रेस के ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा का असली चेहरा उजागर हो गया है। बीजेपी की सरकार जनता को ठगने के नए-नए हथकंडे अपनाती है। बिजली का उत्पादन सरप्लस है, तो इसका लाभ छत्तीसगढ़ की जनता को आखिर क्यों नहीं मिल रहा? कोयला हमारा, पानी हमारा और जमीन भी हमारी, फिर हमें ही बिजली ऊंचे दामों पर क्यों बेची जा रही है, जब से प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनी है, बिजली के दाम बढ़ाया जा रहा है। कांग्रेस शासन में 65 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत दी थी। एक माह में बिजली का दूसरा झटका पहले किसानों और आम उपभोक्ताओं को और अब सारे बिजली उपभोक्ता अतिरिक्त भार भाजपा ने बिजली उत्पादन में अग्रणी राज्य की जनता को नया भार देकर भाजपा ने अपना जनविरोधी चेहरा दिखा दिया। राकेश ठाकुर ने कहा कि इस विषय को लेकर कांग्रेस जनता के बीच जाएगी। प्रदर्शन करेगी। भाजपा सरकार से मांग करेगी कि पूर्व की तरह हाफ बिजली योजना का लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाए।

## जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर आप ने लगाए अनदेखी के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि प्रदेश सहित दुर्ग जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। लगातार भ्रष्टाचार हो रहे हैं। शिकायत और कार्रवाई के बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं है।

- फ्रैक्चर, गंभीर चोटों और कैंसर का इलाज नहीं हो पाने का आरोप

प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साहू ने प्रदेश की खस्ताहाल स्वास्थ्य व्यवस्था और भाजपा सरकार के आम जनता के स्वास्थ्य के प्रति गैरजिम्मेदार रवैए पर कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था को चौपट कर दी है। उनका कहना है कि प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल अंबेडकर अस्पताल में 80 करोड़ की मशीनें ख़राब पड़ी हैं। दुर्घटनाओं में फ्रैक्चर, गंभीर चोटों और कैंसर के रोगियों को सर्जरी नहीं हो पा रही है। प्रदेश महासचिव वदूद आलम ने कहा दुर्ग जिले में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा जिला अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव और मरीजों के जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। कई सरकारी अस्पतालों में स्थाई डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। आवश्यक दवाएं एवं जीवनरक्षक औषधियों की समय पर आपूर्ति नहीं हो रही है। अस्पतालों की इमारतें जर्जर हो चुकी हैं। साफ-सफाई की व्यवस्था अत्यंत खराब है। आपातकालीन सेवाओं हेतु एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। जांच हेतु आवश्यक उपकरण जैसे एक्सरे, ईसीजी, लैब टेस्ट तक प्रभावित हैं। इसी मामले में मई 2025 में बिलासपुर हाईकोर्ट ने प्रदेश की राजधानी रायपुर के अंबेडकर अस्पताल में फैली अव्यवस्थाओं पर संज्ञान लिया था। मरीजों को हो रही परेशानी को मीडिया रिपोर्ट के माध्यम से संज्ञान लिया था लेकिन व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाया।

#### डेंगू, पीलिया का बढ़ रहा प्रकोप नहीं दिया जा रहा है ध्यान

प्रदेश महासचिव ने का कि राज्य में ज्यादातर जगह पर डेंगू बुखार, पीलिया का प्रकोप विकराल हो जाता है बावजूद इसके स्वास्थ्य विभाग कुंभकर्णी नींद से जागने को तैयार नहीं है। जिले मे जानलेवा बीमारी जैसे पीलिया डेंगू, टाइफाइड जैसी बीमारियों ने महामारी जैसा रूप अख्तियार कर रही हैं। इस पर स्वस्थ विभाग की लापरवाही की हद को देखिये गार्ड टांके और पट्टी लगा रहा है। डॉक्टर की जगह नर्से इलाज कर रही हैं स्वस्थ मंत्रालय और विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है।

### एक्रेडिटेशन साल 2028 तक रहेगा मान्य, मध्य भारत के चुनिंदा शहरों में ही मान्यता

# आरसीईटी के सीएस और आईटी को मिली एनबीए की मान्यता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन (एनबीए) ने रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की मान्यता (एक्सटेंड) बढ़ा दिया है। इसका मतलब है कि हमारे विद्यार्थियों को मिलने वाली डिग्री की मान्यता अब सिर्फ देश तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिलेगी। रूंगटा आर-1 इंजीनियरिंग कॉलेज के कंप्यूटर साइंस और आईटी ब्रांच को एनबीए की मान्यता दी गई है। अब एक्रेडिटेशन साल 2028 तक मान्य रहेगा। मध्य भारत के चुनिंदा इंजीनियरिंग कॉलेजों को ही एनबीए की मान्यता है, जिसमें रूंगटा आर-1 इंजीनियरिंग एक है। एनबीए से ब्रांच एक्रेडिटेड होने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नौकरियों की संभावनाएं कई गुना बढ़ जाती है।

- बढ़ गई अंतरराष्ट्रीयस्तर पर नौकरियों की संभावना

#### सीधे तौर पर छात्रों को फायदा

देश की नामी शैक्षणिक संस्थानों को जिस तरह नैक से ग्रेड हासिल करना जरूरी है उतनी ही जरूरी एनबीए भी है। जिससे सीधे तौर पर विद्यार्थियों को फायदा होता है। कैंपस प्लेसमेंट के दौरान आई नामी मल्टीनेशनल कंपनियां एनबीए एक्रेडेट को विशेष तरजीह देती है। कुछ कंपनियों ने तो इसे अनिवार्य भी कर दिया है। बता दें कि सीएस और आईटी ब्रांच की प्रयोगशाला, अनुभवी प्रोफेसर्स, प्रोजेक्ट, रिसर्च हब जैसे दर्जनों मापदंडों को पूरा करने के बाद ही एनबीए ब्रांच को एक्रेडिटेशन देता है। इस उपलब्धि पर रूंगटा यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति संतोष रूंगटा व कुलपति डॉ. जवाहर सूरीशेट्टी ने हर्ष व्यक्त किया।

#### क्या होती है एनबीए की मान्यता?

एनबीए एक स्वतंत्र संस्था है जो भारत में तकनीकी पाठ्यक्रमों बीटेक, एमटेक आदि कोर्स की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के साथ उसे मान्यता देती है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई प्रोग्राम शैक्षणिक और उद्योग मानकों के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाला है या नहीं। एनबीए की मान्यता दर्शाती है कि उस कॉलेज का पाठ्यक्रम, फैकल्टी, लैब्स, इंफ्रास्ट्रक्चर आदि उच्च गुणवत्ता के हैं। एनबीए एकमात्र भारतीय संस्था है जो वॉशिंगटन एकॉर्ड का हिस्सा है। इसका मतलब है कि जिन छात्रों की डिग्री एनबीए से मान्यता प्राप्त कॉलेज से है, उनको अमरीका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में नौकरी और आगे की पढ़ाई में आसानी होती है।

## कल्याणी संस्था ने दिव्यांगजन एवं वृद्धजन को किया सहायक उपकरण का वितरण

भिलाई। कल्याणी सोशल वेलफेयर एंड रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन भिलाई द्वारा दिव्यांगजन एवं वृद्धजन के लिए सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सेक्टर हेड क्वार्टर दुर्ग, सीमा सुरक्षा बल के डीआईजी विपुल मोहन बाला तथा विशिष्ट अतिथि ओमप्रकाश कमांडेंट, बीएसएफ, विनोद अधिकारी, सेकंड इन कमांडेंट समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक, अखंड प्रताप गौतम और समाज सेवक आशीष उपस्थित रहे। कल्याणी निदेशक अजय कल्याणी ने स्वागत उद्बोधन में संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी औरबीएसएफ द्वारा किए गए सहयोग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त किया। मुख्य अतिथि विपुल मोहन बाला ने कल्याणी संस्था के निदेशक अजय कल्याणी व उनकी समस्त टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन एवं जनजागरूकता के लिए कल्याणी संस्था द्वारा किए जा रहे हर कार्य में बीएसएफ का पूर्ण सहयोग रहेगा। कार्यक्रम के दौरान 126 जरूरतमंद दिव्यांगजन एवं वृद्धजनों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण स्टिक, व्हील चेयर, इलेक्ट्रिक ट्राईसाइकिल, श्रवण यंत्र, टीएलएम, नी ब्रेस, सिलिकॉन कुशन आदि का वितरण किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनसमुदाय उपस्थित थे। संस्था के प्रमुख अजय कल्याणी ने आभार व्यक्त किया।

# एग्री स्टेक पोर्टल में किसानों की 2023 के बाद की जानकारी नहीं हो रही अपडेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

प्रदेश सरकार द्वारा गत चार पांच माह से किसानों की स्वामित्व की भूमि का शासन की अधिकृत एग्री स्टेक पोर्टल के माध्यम से किसान पंजीयन फॉर्मर आईडी करवाया जा रहा है। उक्त एग्री स्टेक पोर्टल में वर्ष 2023 की स्थिति में भू- अभिलेख का अपडेट किया गया है। यह पंजीयन केंद्र व राज्य शासन की किसानों के विभिन्न योजना के लाभ के लिए अनिवार्य है।

हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार की किसानों की सबसे बड़ी योजना धान उपार्जन के लिए भी अनिवार्य कर दिया गया है। किसान लगातार पटवारी कार्यालय, स्थानीय चॉइस सेंटर में अपनी ऋण पुस्तिका , बी- 1 पांचशाला, आधार की प्रति लेकर जा रहे है जिसमे शासन के अधिकृत पोर्टल में अनेक खामी होने से कुछ एक का पंजीयन हो रहा है परंतु वर्ष 2023 के बाद भू -अभिलेख में भूमि स्वामी के फौती दर्ज होने से नामांतरण, बटवारा के कारण नामांतरण, खरीदी बिक्री से नये भू स्वामी का पंजीयन नहीं होने के साथ ही शासकीय पट्टेदार, शासकीय आवंटन से मिले सीलिंग भूमि, काबिलकाश्त भूमि का भी पंजीयन नहीं हो रहा है। जिससे किसान पशोपेश में है कि उनका खून पसीने की कमाई का धान फसल को सरकार को बेच पाएंगे या फिर कोचियों की औने पौने दाम पर बेचना न पड़ जाए।

## फॉर्मर आईडी को लेकर समस्या, किसान पटवारी कार्यालय, स्थानीय चॉइस सेंटर का लगा रहे चक्कर

### प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने से मुकरना चाहती है सरकार: रिवेंद्र

ज्ञापन सौंपने वाले कांग्रेस सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रिवेंद्र यादव ने मांग की है कि सरकार की अधिकृत पोर्टल में वांछित बदलाव करे या फिर धान खरीदी के लिए फॉर्मर आईडी की अनिवार्यता खत्म करे। सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार की मंशा अपनी चुनावी वादे प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने से मुकरना चाहती है जिसका जीता जागता उदाहरण इस वर्ष किसानों को उनकी जरूरत की खाद डीएपी सहित यूरिया, राखड़, पोटास तथा अन्य मिश्रित खाद समय में उपलब्ध नहीं करवा पाई है किसान परेशान है और लुट का शिकार हो रहे हैं। उचित खाद के अभाव में धान के उत्पादन में प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय हो चुका है और इधर सरकार की अधिकृत एग्री स्टेक पोर्टल में जानबूझ कर किसान पंजीयन से वंचित किया जा रहा है जो मोदी साय के डबल इंजन की सरकार के किसान विरोधी चेहरा को उजागर कर रही है।

### धान के एक-एक दाने खरीदी के लिए विवश किया जाएगा

केश शिल्पी बोर्ड के अध्यक्ष नन्द कुमार सेन ने कहा कि किसानों के साथ हो रहे अन्याय खाद बीज सहित किसान पंजीयन जैसे मुद्दे को लेकर हर लड़ाई लड़ी जाएगी और साय सरकार को किसानों के धान के एक एक दाने की खरीदी के लिए विवश किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालो में प्रदेश किसान कांग्रेस उपाध्यक्ष कृष्णा देवांगन, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महामंत्री कैलाश सिन्हा, उन्नतशील कृषक खिलेंद्र साहू, खोपली पूर्व प्रभारी सरपंच गजेन्द्र कांकड़े, लोकेश बंजारे, रिझझन ठाकुर मौजूद थे।

## खबर संक्षेप

### वार्ड-29 वृंदानगर में अवैध निर्माण को निगम ने हटाया

**भिलाई।** भिलाई निगम वार्ड 29 वृन्दा नगर में शासकीय विद्यालय के पीछे रोड निर्माण में आ रहे अवैध निर्माण को हटाया गया। जोन 2 के सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे ने बताया कि वृन्दा नगर के मोहल्ले में रोड निर्माण किया जा रहा है। जहां स्थानीय नागरिको ने अपने घरों के सामने कबाड़ का सामान रखने अस्थायी निर्माण कर अवैध कब्जा किया गया है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के संज्ञान में लाकर उनके निर्देशानुसार मोहल्ले वासियों के अवैध कब्जाधारियों से सहमति प्राप्त किया गया। ततपश्चात जोन राजस्व विभाग का अमला जेसीबी के माध्यम से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर हटाने की कार्यवाही की गई।

### स्वच्छता हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है: दामिनी

**अंडा।** ग्राम पंचायत झोला में स्वच्छ ग्राही क्रांति स्व सहायता समूह को कचरा कलेक्शन हेतु रिक्शा सौंपा गया एवम विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया जिसमे सभी विभाग की जानकारी ग्रामवासियों के समक्ष पढ़कर सुनाई गई। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित क्षेत्र की जनपद सदस्य दामिनी मुकेश साहू ने ग्रामीणों एवम समूह के सदस्यों की समस्या सुनी एवम सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूक होने कहा। उन्होंने लोगो को भी जागरूक करने को कहा ताकि हम अपने घर के साथ साथ गांव को भी स्वच्छ रख सके तभी हमारा स्वच्छ भारत का मिशन सफल हो पाएगा उन्होंने बताया कि स्वच्छता हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अवसर पर सरपंच बसंती कौशल निषाद, उपसरपंच भगत राम यादव पंच गण बेनिराम देशलहरे, गायत्री निषाद, रेवा नागरची, स्व सहायता समूह के अध्यक्ष रीना देशमुख, हेमलता नेताम , दामिनी देशमुख, तिजमत साहू आदि उपस्थित थे।

## निधन

### डॉ. पी बालकिशोर

**दुर्ग।** जिला अस्पताल दुर्ग के पूर्व सिविल सर्जन तथा ईएनटी स्पेशलिस्ट एमआईजी 396

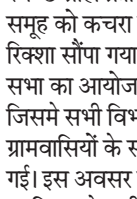

पद्मनाभपुर निवासी डॉ. पी बालकिशोर 67 वर्ष का निधन 4 अगस्त को हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 5 अगस्त को सुबह 10 बजे निवास स्थान से शिवनाथ नदी स्थित मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे प्रमिला बालकिशोर के पति और अंकित, पूजा व अर्चना के पिता थे।

### निर्मला बाफना

**भिलाई।** निर्मला बाफना उम्र 77 वर्ष का निधन 4 अगस्त को हो गया है। उन्होने नेत्रदान किया है। वे हुकुमचंद बाफना की पत्नी और विनय, विपिन, विकास बाफना, विभा सेठिया की मां थीं।

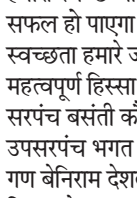

### बोरीगारका, मातरोडीह, कातरो, रिसामा व चिरपोटी आदि गांव के ग्रामीण होंगे प्रभावित

# सिक्स लेन के लिए करगाडीह में बन रहे पुल से होगी परेशानी, ग्रामीणों ने किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उतई

करगाडीह के ग्रामवासी भारतमाला परियोजना के दौरान बन रहे पुल को लेकर धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने सोमवार को प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि भारतमाला परियोजना जिस स्थान पर पुल बन रहा है, उसके ठीक सामने एक निजी मकान है। इसके कारण खतरनाक मोड़ पड़ेगा, जिससे गंभीर दुर्घटना कि आशंका बन रही है।

किसानों को हार्वेस्टर और अनाज से भरे ट्रैकर, बड़े वाहन पार होने में दिक्कत होगी। करगाडीह के अलावा बोरीगारका, मातरोडीह, कातरो, रिसामा, मतवारी व चिरपोटी आदि गांव के ग्रामीण भी इससे प्रभावित होंगे। पुल सड़क से नीचे होने के कारण पानी भरने की भी आशंका है। पुल की ऊंचाई कम होने के कारण और कई प्रकार के मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। सरपंच करन सेन ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा दुर्ग कलेक्टर, विधायक ललित चंद्राकर, सांसद विजय बघेल को वस्तु स्थिति से अवगत कराया जा चुका है।

अधिकारियों का कहना कि तकनीकी रूप से पुल का निर्माण जहां हो रहा है, वहीं होगा। जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी ने कहा कि शिकायत का समाधान नहीं हो रहा है। उपसरपंच रूपेंद्र साहू ने कहा कि परियोजना के अधिकारियों को स्थानीय लोगों से उनके खेती किसानी व आवागमन को लेकर कोई चर्चा नहीं की, जिसके कारण समस्या खड़ी हो गई है। पूर्व सरपंच घनश्याम गजपाल ने कहा कि करगाडीह के ग्रामीण हमेशा अपने अधिकारों को लेकर लड़ते हैं। इस बार भी लड़ेंगे। इस अवसर पर जामवंत गजपाल, वीरेंद्र चंदेल, कौशल साहू, गजानंद साहू सहित अन्य मौजूद थे।

### खेती किसानी और आवागमन को लेकर प्रशासन ने नहीं दी जानकारी

### थनौद में भी हो चुका है ग्रामीणों का विरोध

पुल निर्माण को लेकर ग्राम थनौद में भी विरोध हो चुका है। पुल का निर्माण सकरा किया गया है। इस वजह से बड़े और भारी वाहनों की आवाजाही नहीं हो सकती है। ट्रैक्टर या अन्य वाहनों में अनाज या अन्य कृषि सामानों को नहीं गुजारा जा सकता है। इसके अलावा थनौद शिल्प ग्राम है, जहां से प्रतिवर्ष गणेश और दुर्गा की प्रतिमा गुजरती हैं। इस पुल के बनने से आवाजाही में परेशानी होगी। इसे लेकर आपत्ति के बाद भी पुल का निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीण लगातार आक्रोशित हैं।

### दिव्यांगता पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन, शिक्षक विरेंद्र सम्मानित

**पाटन।** दिव्यांग जनों के अधिकारों, अवसरों और उनके भविष्य में आशा का संचार करने वाली बहुप्रतीक्षित पुस्तक दिव्यांगता अधिकार, अवसर और आशा का राजधानी रायपुर के प्रतिष्ठित होटल सॉलिटेयर में छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने विमोचन किया। इस साझा संकलन पुस्तक में लेखक के रूप में विरेन्द्र कुमार प्रधानपाठक संकुल केंद्र-बठेना विकास खंड-पाटन को उपमुख्यमंत्री ने सम्मानित किया है। शिक्षक ने अपने अनुभवों एवं गहन शोध के आधार पर दिव्यांगजनों के अधिकार चुनौतियों और संभावनाओं को साहित्यिक स्वरूप दिया है। यह पुस्तक दिव्यांग जनों एवं उनके परिवारों के लिए उपयोगी जानकारी का संग्रह है जिसमें शासन की योजनाओं सुविधाओं प्रक्रियाओं और संपर्क सुत्रो को सरल भाषा में समझाया गया है। इस पुस्तक की बड़ी विशेषता यह है कि इसमें क्यूआर कोड्स जोड़े गए हैं। जिन्हें स्कैन कर वीडियो सामग्री देख सकते हैं वीडियो पाठ्यवस्तु को सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत करते हैं। यह तकनीकी सुविधा इस पुस्तक को और अधिक समावेशी बनती है। छत्तीसगढ़ शासन के उप-मुख्यमंत्री ने 33 जिला के 39 नवाचारी शिक्षकों की टीम की सराहना की।

# ग्रीन डे पर विद्यार्थियों ने किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुम्हारी

विद्यादीप पब्लिक स्कूल कुम्हारी में 2 अगस्त शनिवार को ग्रीन डे एवं छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। ग्रीन डे के अवसर पर सभी छात्रों एवं शिक्षक शिक्षकों द्वारा ₹एक पेड़ मां के नाम अभियान₹ के तहत वृक्षारोपण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के संस्थापक बी आर सोनकर एवं संचालक रामेश्वर सोनकर ने पौधारोपण से की। इस दौरान सभी छात्र-छात्राओं ने शपथ ली कि वे अपने जन्म दिवस के अवसर पर एक-एक पौधा अवश्य लगाकर उसकी देखरेख करेंगे। विद्यालय की समस्त छात्र-छात्राओं को चार हाउस महात्मा गांधी हाउस, स्वामी विवेकानंद हाउस, पंडित जवाहरलाल नेहरू हाउस एवं सुभाष चंद्र बोस हाउस में विभाजित किया गया। विद्यालय संचालन समिति ने विद्यालय के हेड बॉय के लिए चंद्रकांत सिन्हा एवं हेड गर्ल के लिए कुमकुम देवांगन को नियुक्त किया गया। वॉइस हेड बॉय के लिए आयुष कुशवाहा एवं वॉइस हेड गर्ल के लिए विधि सोनकर की नियुक्ति की गई। विद्यालय में स्पोर्ट्स हेड के लिए आरती सिंह एवं मनीष सोनवानी, सांस्कृतिक हेड के लिए दिलेश साहू एवं आदित्य साहू, हाइजीनिक हेड के लिए हिमायनी पटेला एवं राहुल यादव को नियुक्त किया गया। महात्मा गांधी हाउस लीडर के लिए तनुश्री बंजारे एवं निखिल पटेल, विवेकानंद हाउस लीडर के लिए रेनू यादव एवं चंदन साहू, पंडित जवाहरलाल नेहरू हाउस लीडर के लिए ईशा यादव एवं गोविंद वैष्णव, सुभाष चंद्र बोस हाउस लीडर के लिए पूजा साहू एवं गौरव भारती को नियुक्त किया गया। नियुक्त छात्र संघ पदाधिकारी को बैच लगाकर शपथ दिलाया गया। सभी कक्षा के क्लास मॉनिटर को भी बैच लगाकर शपथ दिलाई गई। संचालन विद्यालय के इंचार्ज हीरा साहू एवं मनोज साहू ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य सहित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं श्रीमती विभा सोनकर, सुश्री हीरा साहू, मनोज साहू, मनीषा पटेल भुवनेश्वरी साकार, नीमा सोलंकी, पूजा वर्मा,मोहन ताम्रकार, विशाल नाग, संध्या साव दीपक पटेला, रमाकांत साहू, पीएम डेविस, प्रीतम यादव, टेकविष्णु नायक, नर्मदा सार्वा मानसी निर्मलकर असगरी अंजुम चुन्नी साहू देवश्री दास बरखा साहू,अंजना साहू उर्वशी सिरमौर प्रियंका यादव चित्ररेखा ,पूनम पाल, खुशबू आरती ठाकुर गुंजेश्वरी साहू खिलेंद्र सोनकर तनु सोनकर सहित सभी स्टाफ एवं पालकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

- छात्रों ने जन्मदिवस पर पौधे लगाकर देखरेख करने ली शपथ

## विधायक प्रतिनिधि अशोक ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

# सिपकोना माइनर से सिंचाई के लिए खेतों को मिले पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

ग्राम सिपकोना माइनर के अंतिम छोर में सिंचाई के लिए पानी की मांग का ज्ञापन देने कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के द्वारा सोमवार को रानीतराई बंगला में ज्ञापन सौंपा गया। मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पाटन के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक लिखित आवेदन सिंचाई विभाग को सौंपा गया है उन्होंने कहा कि क्षेत्र में खंड वर्षा के कारण खेतों में पर्याप्त पानी नहीं है जिससे किसानों को खाद छिड़काव, रोपाई, निंदाई, ब्यासी के लिए भारी समस्या उत्पन्न हो रही है। किसानों को इस बार अच्छी फसल की उम्मीद है।ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि दक्षिण पाटन का सिपकोना माइनर एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा माइनर है। बड़ा माइनर होने के कारण का अंतिम छोर तक पानी पहुंचने के लिए विभाग को सतर्कता से कार्य करने की आवश्यकता होती है।लेकिन विभाग की निष्क्रियता के कारण किसानों को तकलीफों का सामना करना पड़ता है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रतिनिधि अशोक साहू ने कहा कि इस बार विष्णु सरकार द्वारा किसानों को डीएपी खाद, उन्नत बीज तो नहीं मिल पाया, लेकिन समय के पूर्व किसानों को पानी मिल जाए तो किसानों को सिंचाई में खेती करने में सुविधा मिलेगी।

किसान संतोष पटेल ने कहा कि रोपाई का काम हो चुका है लेकिन पानी नहीं होने के कारण फसल सूखने लग गया है। भेदप्रकाश वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए करोड़ों रुपए के सिंचाई योजना खपरी, कौही, सिपकोना माइनर की सुदृढ़ीकरण का कार्य किए थे।जिसका लाभ आम जनता एवं किसानों को तत्काल मिलना चाहिए। इस दौरान हितेश्वर ठाकुर, भविष्य जैन, नारद साहू, केदार वर्मा, सीताराम ठाकुर, हेमू सोनकर, सोहन जोशी, डॉ ईश्वर निषाद, यादव सेन उपस्थित रहे।

## अंचल की खबरें

### धनोरा में डाक कांवड़ यात्रा का आयोजन

**अंडा/उतई।** बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में सावन महिना के आखिरी सोमवार को डाक कांवड़ यात्रा निकाला गया जो कि महमरा घाट शिवनाथ नदी के किनारे बिराज मान भगवान शंकर के दरबार के सभी भक्तों के द्वारा किया गया। तत्पश्चात दरबार के लक्ष्मण बाबा ने नदी से जल लेकर दौड़ना शुरू किया फिर एक दूसरे डांक कांवड़ यात्रा को लेकर दौड़ते रहे जो कि महावीर उद्यान पहुंच कर भुतभावन भोलेनाथ को जल अर्पित कर के पूजा पाठ किया गया। वहीं महामृत्युंजय मंत्र जाप किया गया फिर खिचड़ी प्रसाद वितरण किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया गया। इस कार्यक्रम में विनोद साहू, गुलाब साहू, योगेश साहू, मनोज पटेल, राजू यादव, मनसुखा साहू, कामेश साहू आदि मौजूद थे।

### कांवड़ यात्रा कर पहुंचे कावड़ियों का किया स्वागत

**जामगांव आर।** बोल बंब कावर यात्रा समिति बोरवाय के तत्वावधान में नरसिंह नाथ, उड़ीसा, घुंचापाली, बागबाहरा मां खल्लारी मंदिर, जजमाई घटारानी, राजिम कुलेश्वर महादेव कौही महादेव का पूजन अर्चना कर सोमवार को बोरवाय पहुंचे। भक्तों ने राजिम से कांवर में लाएं जल को ग्राम के मंदिर में चढ़ाए। तत्पश्चात ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने भव्य स्वागत किया। कांवर यात्रा में पलटू राम साहू, डॉ. एमन साहू दुलार यादव, अमरनाथ साहू, संतोष साहू, आशीष यदु, पैमने गुरुपरख, मनोज साहू, इन्द्रमन यादव, चुनेश्वर साहू, दिलेश्वर साहू, मिथलेश साहू, राहुल यादव, नीरज, तेजराम यादव, उमाकांत ठाकुर, तरुण यादव, थानेश यादव, भावेश यादव, पीयूष साहू, दीपक, भूपेंद्र चंद्राकर, दुर्गेश साहू, रूपेश साहू, शेखर ठाकुर आदि ने लगभग 1100 किलोमीटर की तीर्थ यात्रा किए जिसमें राजिम से दल पैदल चलकर बोरवाय पहुंचे। समाज सेवी खिलेश्वर कामरे ने कहा कि प्रतिवर्ष बोरवाय से सावन के महीना में शिव भक्तो की टोली सीनियर सिटीजन पलटू राम साहू के नेतृत्व में कांवर यात्रा करती है। सावन के महीने में चाहूं ओर हरियाली होती है। भव्य स्वागत करने वालो में उपसरपंच प्रतिनिधि रूपलाल साहू समाजसेवी खिलेश्वर कामरे, राजू महाराज, रोहित चंद्राकर, हेमंत टंडन सहित ग्रामीण जन शामिल रहे।

### शिवभक्तों ने निकाली कावड़ शोभायात्रा

**अंडा।** सावन के पुण्य माह में ग्राम परसदा से आस्था के प्रतीक धर्मारण्य क्षेत्र विष्णुधाम ओटेबन्द मंदिर तक कावड़ शोभा यात्रा वृहद व धूमधाम से डीजे के साथ रविवार को निकाला गया । इस अवसर पर ग्राम सरपंच सत्यवती साहू, उपसरपंच लीलेश्वर साहू, योगेश हिरवानी, श्रीमती हेमलता साहू, लता साहू, सृजन हिरवानी, अजय हिरवानी, राहुल शर्मा,घनश्याम साहु, सोनल साहू ,ऋषि साहू डोमेश्वरी साहू व 100 से 150 की संख्या में ग्रामीण जन शामिल हुए। ज्ञात हो कि यह आयोजन रामराज युवा संगठन परसदा के द्वारा आयोजित किया गया है। उपरोक्त जानकारी भाजपा मंडल अध्यक्ष कुलदीप साहू ने दी।

### चुनकट्टा में मनाया विश्व आदिवासी दिवस

**सेलूद।** ग्राम चुनकट्टा में आदिवासी समाज के द्वारा विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत चुनकट्टा सरपंच रोशनी सोनू राय ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अध्यक्ष - धनेश्वरी ठाकुर, उपाअध्यक्ष -अमरीका ठाकुर, कोषाध्यक्ष -बिंदेश्वरी ठाकुर , संरक्षक - उधो सिंग ठाकुर, एवम् विकेश्वर ठाकुर , रूपेश ठाकुर, रोहित ठाकुर, अजीत ठाकुर, देवेंद्र ठाकुर, बलि ठाकुर , तालसिंग ठाकुर, संतोष ठाकुर, भीषम ठाकुर प्रमोद ठाकुर, ईश्वरी ठाकुर और आदिवासी समाज के महिलाए प्रेमिन ठाकुर, सरिता ठाकुर, रेवती ठाकुर आदि उपस्थित थे।

FARMTRAC TRACTORS EUROPE
आवश्यकता है
Kubota Escorts Kubota Limited
फार्मट्रेक ट्रैक्टर में फील्ड कार्य हेतु तहसील दुर्ग, पाटन, गुंडरदेही के लिए अनुभवी व फ्रेश उम्मीदवार की आवश्यकता है
सेल्समेन - 10 पद, अकाउंटेंट - 01 पद, टेलीकॉलर - 01 पद
स्पेयर पार्ट्स इंचार्ज - 01 पद, ट्रैक्टर मैकेनिक्स - 05 पद
आकर्षक वेतनमान, इन्सेन्टीव, कंपनी बोनस
नोट : उम्मीदवार के पास स्वयं का मोटर साइकिल होना अनिवार्य है, शिक्षा व उम्र का कोई बंधन नहीं है।
बायोडाटा व्हाटसएप नंबर : 8435549470 पर भेंजे।
श्री सांई एग्रो | धमधा रोड, चिखली, दुर्ग

## खबर संक्षेप

### बीएमएस का मना स्थापना दिवस

**भिलाई।** भारतीय मजदूर संघ के स्थापना दिवस पर भिलाई इस्पात मजदूर संघ कार्यालय, सेक्टर-6 में का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यूनियन पदाधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने यूनियन को मजबूत करने और मजदूरों के हितों के लिए काम करने के संकल्प को दोहराया। भिलाई इस्पात मजदूर संघ के महामंत्री चन्ना केशवलू सहित अन्य पदाधिकारियों ने यूनियन के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ी के जीवन और उनके श्रमिक हितैषी विचारों पर प्रकाश डाला। बताया कि स्व. ठेंगड़ी संगठन की स्थापना की गई थी, जो आज देश का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन बन चुका है। वक्ताओं ने भारतीय मजदूर संघ की स्थापना के मूल उद्देश्यों, स्वदेशी, श्रम-सम्मान और राष्ट्रनिर्माण पर चर्चा की और सभी श्रमिकों से आवाहन किया कि वे संगठन की एकता को बनाए रखते हुए श्रमिक हितों के लिए सजग और संगठित रहें। इस अवसर पर बीएमएस के उपाध्यक्ष आईपी मिश्रा,डिल्ली राव आदि उपस्थित थे।

### निगम एवं गौसेवकों का कोसा नगर गोठान में संयुक्त पौधारोपण

**भिलाई।** कोसा नगर गोठान में आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के उपस्थिति में नगर निगम भिलाई टीम एवं गौ सेवकों के द्वारा संयुक्त रूप से वृक्षारोपण किया गया । नगर निगम उद्यान विभाग एवं श्री राधा कृष्णा गौ सेवा संघ द्वारा सुरक्षा का पूर्णतः इंतजाम करते हुए 8 से 10 फीट के बड़े पौधों का रोपण किया गया है। सुरक्षा हेतु सीमेंट पोल स्थापित कर चैन लिंक फेंसिंग कराया गया है । वृक्षारोपण हेतु वातावरण एवं क्षेत्र के अनुकूल प्रजातियों का चयन किया गया है । 80 रोपित पौधों में मुख्य रूप से पीपल, आम, नीम, बादाम, गुलमोहर, कदंब एवं महोगनी है। पशुओं को छाया प्रदान करने के लिए यह पेड़ बहुत फायदेमंद रहेगा और वातावरण भी अनुकूल रखेगा।

### गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति के कार्यकारिणी घोषित

**दुर्ग।** नवरात्र पर्व की तैयारी के विषय को लेकर गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति पुरानी गंजमंडी गंजपार की बैठक की गई। बैठक में वर्ष 2025-26 एवं 26-27 हेतु नवीन कार्यकारणी का गठन किया गया। गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष रवि पिडियार ने संरक्षक मंडल के दिशा-निर्देश पर यह कार्यकारणी का गठन किया। संरक्षक कमलनारायण रूंगटा, महेंद्र सेक्सरीया, संतोष रूंगटा, संजय रुंगटा, चतुर्भुज राठी, कृष्ण कुमार दुबे, शालिग्राम दुबे, किशोर जैन एवं विनीत जैन ने कार्यकारणी का अनुमोदन किया। संयोजक नवल अग्रवाल, शैलेष तिवारी, विवेक मिश्रा, मुकेश राठी बनाए गए। इसके अलावा अध्यक्ष रवि पिडियर, महासचिव मनोज शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष विकेश मिश्रा रिचू, अमित यादव, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र (जित्तू) राठी, उपाध्यक्ष पंकज रूंगटा, दीपक चोपड़ा, मोनू नामदेव, गणेश अग्रवाल, सतबीर शर्मा, सचिव- महेंद्र गांधी, रणछोड़ भुतडा, राजू अग्रवाल, नितिन रुंगटा, अमित बंछोर, आशीष सेक्सरिया, सह सचिव ऋषि साहू, सहित कार्यकारिणी सदस्य शामिल हैं।

# हाइवे पर बैठे मवेशियों के मालिकों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, 36 पर कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नेशनल हाइवे पर मवेशियों के झुंड में बैठे रहने और टहलने के चलते लगातार सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। इसे कम करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने एक अभियान चलाया है। ट्रैफिक पुलिस के द्वारा हाइवे किनारे बैठे मवेशियों के गले में रेडियम पट्टी बांधी जा रही है। इसके साथ ही उन मवेशियों के मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एएसपी ट्रैफिक रिचा मिश्रा ने बताया कि शहर के मुख्य मार्गों पर मवेशियों की आवाजाही को देखते सड़क सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। अभियान के तहत हाइवे पर पाए गए मवेशियों को रिफ्लेक्टर युक्त बेल्ट पहनाए जा रहे हैं। इससे रात के समय तेज गति से चलने वाले वाहनों को दूर से ही मवेशी दिखाई दे रहे हैं। इससे यह देखा गया कि मवेशियों से होने वाले हादसों में भी कमी आई है। अब पुलिस ने लापरवाह मवेशी मालिकों के खिलाफ भी सख्ती करनी शुरू कर दी है। पुलिस सड़क पर घूमने वाले मवेशियों के मालिकों का पता कर उनके खिलाफ 152 बीएनएस की कार्रवाई कर रही है। पुलिस अब तक 36 मवेशी मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर चुकी है।

## ट्रैफिक पुलिस ने चलाया अभियान, मवेशी मालिकों के खिलाफ 152 बीएनएस के तहत कार्रवाई

### निगम के सहयोग से मवेशियों को भेजा जा रहा सुरक्षित स्थान

मवेशियों के रात में इधर उधर सड़क में बैठने से लोग उनसे टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। इसको ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने निगम का सहयोग लेकर मवेशियों को सड़क से दूर सुरक्षित स्थान में भेजना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही मवेशियों के मालिकों की पहचान की जा रही है। इसके बाद संबंधित थाना क्षेत्र में उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। सबसे अधिक समस्या दुर्ग-भिलाई क्षेत्र, टेडेसरा रोड, पुलगांव बायपास, रिसाली, नेहरू नगर मुख्य मार्ग, सुपेला चौक, वैशाली नगर रोड, स्मृति नगर मेन रोड, ट्रांसपोर्ट नगर समेत अन्य प्रमुख, व्यस्त मार्गों पर देखने को मिल रही है।

### दो हजार मवेशी पर बेल्ट

ट्रैफिक पुलिस अब तक 2 हजार से अधिक मवेशियों के गले में रिफ्लेक्टर बेल्ट लगा चुकी है। जिससे रात को आने जाने वाले वाहनों को मवेशी होने की जानकारी मिल सके। सड़क हादसे को रोकने के लिए यह अभियान चलाया गया है। 23 जुलाई से अब तक बेल्ट मवेशियों को लगाया गया है। मवेशी मालिकों को पहले समझाइश भी दी गई थी कि मवेशियों को सड़क पर खुला ना छोडे, लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया, इससे अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई है।

**आयोजन :** कलामंदिर में भिलाई महिला समाज के 68 वें स्थापना समारोह

# सामाजिक सरोकार में महिलाएं अग्रणी अंदर की शक्ति को पहचानें: डॉ. शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

हर्ष और उल्लास का माहौल... सढ़सठ साल की सेवा, समर्पण, स्वावलंबन और संघर्ष के सामाजिक अभियान की याद दिलाते गर्वभरे लम्हे और हौसला बढ़ाती फौलादी नारी शक्ति। इसके बीच इंद्रधनुषी प्रतिभा से भावविभोर करने के साथ खुशियां बांटतीं वनिताएं....।

महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर में सोमवार को ऐसा ही खुशनुमा नजारा था। यादगार अवसर था भिलाई महिला समाज के 68 वें स्थापना दिवस समारोह का। इस अवसर पर उत्साह और खुशी से लबरेज वातावरण में समाज की महिलाओं ने गरीब महिलाओं की मदद और भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मवीरों के लिए उपयोगी सामग्री बनाने की मुहिम को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। महिला समाज के स्थापना दिवस समारोह की मुख्य अतिथि इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की कुलपति प्रोफेसर (डां.) लवली शर्मा थीं और अध्यक्षता महिला समाज की उपाध्यक्ष स्मिता गिरी ने की। इस अवसर पर मंच पर समाज की उपाध्यक्ष गण प्रणोती मुखोपाध्याय ,मौली चक्रवर्ती,छवि निगम, पूनम कुमार, आशा रानी, रेणुका रविंद्रनाथ व महासचिव सोनाली रथ, कोषाध्यक्ष शिखा जैन और सहकोषाध्यक्ष रेखा तिवारी, सह सचिव दीपान्विता तिवारी भी उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि डां. शर्मा ने अपने उदबोधन में महिला समाज को वर्षगांठ की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज देश और समाज में महिलाएं बहुत सशक्त हैं। वे हर क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ देकर विकास में सक्रिय भागीदारी निभार रही हैं। संगीत के एक ही वावतारण में व्यस्त रहने के कारण मेरे जीवन का आज पहला अनुभव है, जहां इतनी अधिक सेवाभावी महिलाएं उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अंदर की ताकत और प्रतिभा को पहचानने की जरुरत है। ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए, क्योंकि सामाजिक सरोकार से जुड़ने के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। प्रसिद्ध सितारवादिका प्रो. शर्मा ने ,जन्म देने वाले इतना तो बोल रे, तन की तो खोली मन की तो खोल रे .. अपने गीत की पक्तियां सुनाते हुए नारी की सुंदरता व प्रतिभा पर कवि बिहारी की कविता संदर्भित की जिसमें, नवाइन दुल्हन की सुंदर एड़ियों को देख सोचती है कि इसमें महावर लगाने की जरुरत है भी कि नहीं। उपाध्यक्ष स्मिता गिरी ने कहा कि भिलाई महिला समाज की लंबी यात्रा केवल सामाजिक गतिविधि तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक आंदोलन है। हम आर्थिक रुप से कमजोर महिलाओं की आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखकर 67 साल से अपने सामाजिक सरोकार के कर्तव्य का निर्हवन कर रहे हैं। अब हमें अपने कार्यों में नवीनता लाकर नई ऊंचाईयों पर संगठन को ले जाने की जरुरत है।

## सेवा और स्वावंलबन के अभियान को बढ़ाने का लिया संकल्प

### इंद्रधनुषी प्रस्तुति से किया विभोर

इस अवसर पर महिला समाज की सदस्यों द्वारा इंद्रधनुषी प्रस्तुति से सभी को भावविभोर किया। स्वागत गीत विश्वजीत सरकार के संगीत निर्देशन में सिंपल, सुनीता, जागेश्वरी संध्या और लीला ने प्रस्तुत किया। इसके बाद कला टिकरिहा, गौरी शर्मा, स्नेहा पाटिल, ललिता, अंजलि,मीनाक्षी व मोहिनी ने अंधकार से प्रकाश की ओर शीर्षक से नयनाभिराम नृत्य से मंत्रमुग्ध किया। विभिन्न क्लबों की सदस्यों ने देशभक्ति, नारी शक्ति और एकता पर केंद्रित नाटिका और समूह नृत्य आदि मोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा।

### सेक्टर 5 क्लब को मिली बेस्ट ट्राफी

पूर्व में मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्जवलित किया। महिला समाज की उपाध्यक्ष छवि निगम ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया और महासचिव सोनाली रथ ने 8 सौ सदस्यों व 10 क्लबों वाले अपने समाज की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। बाद मुख्य अतिथि ने महिला समाज की पत्रिका का विमोचन किया। उन्हें पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। फिर समाज की पदाधिकारियों ने सर्वश्रेष्ठ सेवा कार्य करने के लिए महिला समाज के सेक्टर 5 क्लब को बेस्ट ट्राफी व सेक्टर 10 बी क्लब को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया। आरंभ में महिला समाज की पदाधिकारियों का बुके से स्वागत दस्ताना इकाई की राजश्री चौधरी, रितिका तिवारी, शिवकुमारी ने किया। बाद भिलाई महिला समाज की दीर्घ सेवा यात्रा पर वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन समाज की इत्तिरा मिश्रा व आशा राय ने किया।

# निगम आयुक्त ने किया रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं उद्यानों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई नेहरू नगर अंतर्गत अशोक उद्यान, कोसा नगर शासकीय स्कूल, कुसुम कानन नर्सरी, नेहरू नगर रैश्ने आवास एवं जोन 3 अंतर्गत शांति पारा का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

- संधारण कार्यों को देखकर दिए निर्देश

आयुक्त ने नेहरू नगर पश्चिम स्थित अशोक उद्यान में चल रहे उद्यान संधारण कार्य का अवलोकन किया। उद्यान के अंदर कारपेट ग्रास लगाने का कार्य प्रगति पर है, जिसे जल्द ही पूरा करने जोन आयुक्त अजय राजपूत को निर्देशित किया गया है। कोसा नगर स्थित शासकीय हाई स्कूल परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण हेतु गड्ढा खोदा गया है, जिसका निरीक्षण किया गया और रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम शीघ्र निर्माण हेतु सहायक अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा को निर्देशित किया गया। नेहरू नगर स्थित कुसुम कानन नर्सरी के अंदर 2 फाउन्टेन पूर्व से स्थापित है। जिसमें से एक फाउन्टेन संचालित है और दूसरा फाउन्टेन बंद है, जिसका अवलोकन कर यथाशीघ्र संधारण कराने निर्देशित किया गया। नेहरू नगर स्थित एल.आई.जी. अटल आवास में पेयजल आपूर्ति एवं नालियों की सा फ - स फा ई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपअभियंता बसंत साहू, सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला, सहायक उद्यान अधिकारी संजय शर्मा उपस्थित रहे।

जोन 3 मदर टेरेसा नगर अंतर्गत शांति पारा रोड में पेयजल आपूर्ति एवं साफ-सफाई का निरीक्षण आयुक्त ने वार्ड पार्षद विनोद चेलक के साथ किए। बीएसपी आवास के पीछे बैक लाईन की सफाई व्यवस्था के संबंध में नोटिस देने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किए हैं। इस दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, त्रिलोचन एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

### निगम के तीन कर्मचारी इधर से उधर, बदला प्रभार

**दुर्ग।** नगर निगम दुर्ग के तीन कर्मचारियों के ट्रांसफर किए गए हैं। प्रशासनिक कसावट के लिए आयुक्त सुमित अग्रवाल ने इन कर्मचारियों का प्रभार बदला है। इसमें पेंशन शाखा में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 चित्ररेखा चंद्राकर को जनसंपर्क विभाग भेजा गया है। इसी प्रकार शानू कोठारी को स्वास्थ्य विभाग से स्थापना शाखा और गंगाधर ठाकरे को बाजार विभाग से स्थापना शाखा भेजा गया है।

# रिटायर बीएसपी अधिकारी व कर्मियों से आवास खाली करवाकर प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

सीटू यूनियन ने बीएसपी प्रबंधन द्वारा रिटायर बीएसपी अधिकारियों और कर्मियों के आवासों को खाली कराने के खिलाफ दबाव बढ़ाना शुरु कर दिया है। यूनियन के मुताबिक टाउनशिप में कब्जे के चलते एक ओर कई बीएसपी अधिकारी आवास नहीं मिलने के कारण भिलाई निवास में रह रहे हैं और रिटेंशनधारी बीएसपी अधिकारी व कर्मियों से मकान खाली कराए जा रहे हैं वहीं शासन के संयंत्र के कर्मियों अथवा अधिकारियों के रिटेंशन आवास को खाली करवा कर उन आवासों को उच्च प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपने की तैयारी की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर जल्द ही यूनियन सीजीएम से मिलेगी। बीएसपी कर्मियों अथवा अधिकारियों के कब्जे में रहने वाला आवास अस्थाई कब्जे के दायरे में आता है। यदि एक बार प्रशासनिक अधिकारी के कब्जे में चला गया तो उसे खाली करवा पाना बीएसपी की वश की बात नहीं होगी। सीटू ने कहा कि यदि प्रबंधन इस सूची को सार्वजनिक कर दे कि प्रशासनिक अधिकारियों के नाम से बीएस पी के कितने आवास आवंटित है और कितने समय से आवंटित है तो बात अपने स्पष्ट हो जाएगी।

### भिलाई निवास में रहने अधिकारी मजबूर

यूनियन ने कहा यह प्रबंधन के संज्ञान में है कि बाहर से स्थानांतरित होकर आने वाले मुख्य महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी को वक्त पर आवास उपलब्ध न होने के कारण भिलाई निवास में रहने मजबूर होते हैं। उसके बाद वे सी-3 टाइप के मकान आवंटित करवा कर उसमें रहने लगते हैं। लेकिन उनको बेहतर आवास देने के लिए कभी भी बीएसपी नगर सेवाएं विभाग की ओर से कोई प्रयास नहीं दिखता है। प्रशासनिक अधिकारी को आवास देने के नाम पर अपने ही संयंत्र में लंबे समय तक सेवा करके सेवानिवृत हुए अधिकारी के रिटेंशन आवास को दलबल के साथ जाकर खाली करवाकर प्रबंधन आखिर क्या साबित करना चाह रहा है।

### कब खाली कराएंगे बत्तीस बंगला आवास

तालपुरी डायरेक्टर बंगला के बाद भिलाई में कोई सबसे बड़े आवास हैं तो वह 32 बंगले में हैं। जहां पर 32 बंगले बने हुए हैं। कभी यह सब बंगले बीएसपी के हुआ करते थे। अब इनमें से एक बंगला छोड़कर बाकी सभी शासन प्रशासन अथवा नेताओं के कब्जे में हैं। सीटू ने कहा कि क्या नगर सेवाएं विभाग कभी इन बंगलों को खाली करवा कर अपने कब्जे में ले पाएगा। यह बंगले जिन भी अधिकारियों नेताओं अथवा कार्यालय के अधीन हैं, नगर सेवाएं विभाग ने उनको आबंटित किया है यदि किया है तो किन नियमों के तहत यह सब संभव हो सका है सार्वजनिक करना चाहिए अन्यथा उन कब्जे वाले बंगलो को खाली करा कर प्रबंधन इन बंगलो का सही उपयोग करना चाहिए।

# बीएसपी जल्द दे क्लीयरेंस सर्टिफिकेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र कांट्रेक्टर एंड लेबर वेलफेयर सोसायटी की जनरल बॉडी की बैठक इंडियन कॉफ़ी हॉउस मे हुई। बैठक में जून माह का आई आर क्लियरेंस

- बीएसपी कांट्रेक्टर वेलफेयर सोसायटी की बैठक

सर्टिफिकेट प्राप्त नहीं हो पाने की समस्या चर्चा हुई। बीएसपी प्रबंदन से जल्द समस्या के निदान की मांग की गई।

बैठक में बताये कि ठेकेदारों द्वारा माह जून का वेतन सभी ठेका श्रमिकों को भुगतान करने के बाद ठेकेदार द्वारा आईआर विभाग मे ठेका बिल के भुगतान के लिए आई

आर क्लियरन्स सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए वेतन भुगतान सम्बंधित दस्तावेज विभाग को प्रस्तुत करना पड़ता है।

लेकिन बीएसपी प्रबंधन की उदासीनता से दस्तावेज जमा लेने से आई आर विभाग मना कर रहा है। इस कारण जून माह का क्लियरन्स सर्टिफिकेट ठेकेदारों को नहीं मिल पा रहा है। ऐसे अनिवार्य सर्टिफिकेट जमा नहीं कर पाने से इस माह का वेतन भुगतान ठेका श्रमिकों को नहीं हो पाएगा।

बैठक में बताया कि इस माह रक्षा बंधन के अलावा बहुत से त्यौहार है, वेतन ना मिल पाने के कारण ठेकादारों और मजदूरों को दिक्कत होगी। समस्या का निदान नहीं होन से हड़ताल जैसी परस्थिति उत्पन्न हो सकती है। बैठक में सोसायटी के अध्यक्ष सीजू एन्थोनी, कार्यकारी अध्यक्ष त्रिलोकी सिँह, महामंत्री हितेश भाई पटेल, उपाध्यक्ष धीरज शुक्ला, नवीन सिँह, सचिव राजेश अग्रवाल,दुर्गापुर कॉन्ट्रैक्टर एसो. के अध्यक्ष प्रवीर सरकार,एम मोहन, व्ही के बाबू, सुरेन्द्र पाठक आदि उपस्थित थे।

**रक्षा आत्मनिर्भरता को मजबूत किया**

# दुश्मनों से लोहा लेगा सेल के फौलाद से बना जहाज अजय, आईएनएस निस्तार के लिए भी देगा आयरन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

सेल ने भारतीय नौसेना के दो महत्वपूर्ण जहाजों, आईएनएस 'अजय' और आईएनएस 'निस्तार' के लिए विशेष इस्पात की आपूर्ति करके देश के रक्षा स्वदेशीकरण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

- सेल से बने लोहे की देश-विदेश तक बढ़ रही डिमांड

दोनों जहाजों में से आईएनएस अजय को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा पिछले जुलाई महीने के दौरान लांच किया गया जबकि आईएनएस निस्तार को भी पिछले जुलाई महीने के दौरान ही हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) द्वारा कमीशन किया गया।

उल्लेखनीय है कि आईएनएस 'अजय' के लिए सेल ने जरूरत की पूरी डीएमआर ग्रेड स्टील प्लेट्स की आपूर्ति की है। यह इस उच्च-गुणवत्ता वाले इस्पात पोत की संरचनात्मक मजबूती और स्टील्थ क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण है। आईएनएस 'अजय' गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आठवां और अंतिम स्वदेशी एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) है।

### नौसैनिक शक्ति को कर रहा मजबूत

सेल प्रबंधन के मुताबिक भारत की नौसैनिक शक्ति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध सेल राष्ट्रीय रक्षा लक्ष्यों के लिए कंपनी के रणनीतिक सहयोग को दिखाता है। यह आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में सेल की अभिन्न भूमिका को भी रेखांकित कर रहा है। इस्पात के प्रत्येक टन के साथ, सेल भारत की समुद्री तत्परता और रक्षात्मक भरोसे की नींव को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है।

### है डाइविंग सपोर्ट वेसल

सेल ने आईएनएस निस्तार के लिए भी विशेष ग्रेड प्लेट्स की जरूरत की पूरी मात्रा की सप्लाई की है। आईएनएस निस्तार भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल है। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा कमीशन की गई आईएनएस निस्तार, पनडुब्बी बचाव कार्यों, गहरे समुद्र में गोताखोरी और निरंतर गश्त में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

### महिलाओं ने सावन में किया आनंद मेले का आयोजन

**भिलाई।** भूमिहार समाज की महिला समिति द्वारा सावन सोमवा को भवन मे आनंद मेले का आयोजन किया गया। महिलाओं ने अपने हाथों से ढोकला, पिज़्ज़ा, खीर, ड्रीफ्रूट हलवा, गुपचुप, चट, रसमलाई, समोसा, अलुगुंडा आदि आइटम तैयार कर मेले में बेचकर सामाजिक कार्यो में पैसे लगाने का संकल्प लिया। बारह स्टालों में समाज के पुरुषो नें आइटम खरीद कर मेले का लुत्फ उठाया और सामाजिक भागीदारी में सहयोगदान दिया।

# हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 5 अगस्त 2025

## लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

रंगीलो सावन सेलिब्रेशन में दी इंद्रधनुषीय प्रस्तुति

**लाइव इवेंट**

## पालकी यात्रा, आस्था और भक्ति का अद्भुत संगमः गजेन्द्र

दुर्ग। सावन मास अंतिम सोमवार परदुर्ग शहर भगवान महाकाल भव्य पालकी यात्रा निकली। विधायक गजेन्द्र यादव शामिल हुए। शहर के हृदयस्थल से निकली इस यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भगवान महाकाल के भव्य स्वरूप के दर्शन किये। विधायक गजेन्द्र यादव भक्तजनो का अभिवादन किये पालकी यात्रा चलते रहे। यात्रा का जगह जगह आरती और फूल बरसाकर स्वागत किये। बाजे-गाजे, ढोल-नगाड़ों और जय महाकाल के जयघोषों के साथ युवाओं की टोली ने भक्ति का प्रदर्शन किया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे भक्तगण, पुष्पों से सुसज्जित पालकी और नगरवासियों की भारी उपस्थिति ने आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया। भगवान महाकाल की आरती लेकर उनके चरणों में शीश नवाकर नगरवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। यात्रा के आयोजनकर्ता जय श्री महाकाल भक्त परिवार की सराहना करते हुए कहा की इस भव्य आयोजन के माध्यम से धार्मिक चेतना, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपरा को एक सशक्त मंच प्रदान किया।

**सिटी इवेंट**

## शीतला मंदिर में शिवजी के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लगी लंबी कतारें

दुर्ग । शहर के शिव मंदिरों में सावन का अंतिम सोमवार होने से दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें

लगी रही। सिविल लाईन क सा री डी ह स्थित प्रसिद्ध स त रु पा शीतला मंदिर में शिवजी का विशेष श्रृंगार क र ज लाभिषेक किया गया। इस दौरान मंदिर में हर हर महादेव के जयघोष गुंजायमान रहे। दर्शन के लिए यहां श्रद्धालुओं की दिनभर भीड़ रही। मंदिर में व्यवस्था बनाने मां सतरुपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू के अलावा अन्य पदाधिकारी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। इसके अलावा महाकालेश्वर मंदिर पद्मनाभपुर, शिव मंदिर आदर्श नगर, राम मंदिर कसारीडीह, भगवान लंगूरवीर मंदिर शनिचरी बाजार, शक्तिनगर तालाब मंदिर, गयानगर कोष्ठा तालाबपार स्थित शिव मंदिर, शिवशक्ति हनुमान मंदिर पटेल चौक व अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी। जिससे शहर के अधिकांश शिव मंदिरों में आज दिनभर मेला का माहौल रहा।

**लाइव इवेंट**

## 12 ज्योतिर्लिंगों की अपनी महत्ता, दर्शन मात्र से मिलती है हर पाप से मुक्ति

दुर्ग। प्राचीन शिव मंदिर शिव कोकड़ी धाम में वृंदावन धाम से आए कथावाचक 13 वर्षीय बाल व्यास धीरेन्द्र महाराज की शिवमहापुराण कथा जारी है। बाल व्यास ने श्रोताओं को भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों की कथा का रसपान कराया। भगवान विष्णु को सुदर्शन चक्र प्राप्ति कैसे हुई, माता पार्वती का नाम दुर्गा कैसे हुआ, अर्धनारीश्वर भगवान की कथा एवं बेल-पत्र क्यों चढ़ाते हैं आदि कथाओं का श्रवण कराया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के चितरंजन कुमार, खुलेश वर्मा, शैलेश चौधरी, संजय खोबरागड़े, दिलीप शर्मा, निखिल नागवंशी सहित अन्य मौजूद थे। पंडित गिरीश कटारे, आचार्य सोनू शुक्ला, कमलेश तिवारी, राजकुमार दुबे, मंदिर कमेटी के अध्यक्ष गजानन पटेल, सचिव डोमार वर्मा, भारत पटेल, रामचंद्र निषाद, कोमल पटेल, राजन पटेल आदि कथा आरती में शामिल हुए।

● सावन महीने के अंतिम सोमवार को जगह-जगह रुद्राभिषेक, निकाली गई शोभायात्रा

# भगवान शिव की भक्ति में सराबोर हुआ भिलाई-दुर्ग, हजारों भक्त निकले कांवड़ लेकर, भोलेबाबा का किया अभिषेक

भिलाई। सावन के अंतिम सोमवार को जगह-जगह अनेक आयोजन हुए। शिवालयों में सुबह 4 बजे से ही भक्तों की लंबी कतारे लगी रही। यह सिलासिला देर रात तक चलता रहा। सुबह से शिवनाथ नदी तट पर शिवभक्तों का मेला भी देखने को मिला। हजारों की संख्या में अलग अलग टोली में शिवनाथ नदी से जल लेकर भगवान भोले बाबा को जल चढ़ाने निकल पड़े थे। भिलाई के बैकुंठ धाम मंदिर, राज राजेश्वरी मंदिर, नेहरू नगर भेलवा तालाब, राधिका नगर, सेक्टर 6 जल कंठेश्वर मंदिर, सेक्टर 9 मनोकामना मंदिर, दुर्ग के सत्तीचौरा मंदिर सहित सभी छोटे-बड़े शिवालयों में सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। महादेव का प्रिय मास श्रावण के अंतिम सोमवार को घरों और जगह-जगह रुद्राभिषेक भी पंडितों दवरा किया गया। विभिन्न स्थानों में भोग का वितरण भी किया गया।

### ट्रांसपोर्टरों ने किया जलाभिषेक

सावन के अंतिम सोमवार को भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने भिलाई शहर के विभिन्न मंदिरों में भगवान शंकर का श्रद्धापूर्वक रूद्र अभिषेक कर देश-प्रदेशवासियों के सुख, शांति और समृद्धि के लिए मंगलकामना किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के संरक्षक प्रभुनाथ मिश्रा, महेंद्र सिंग, सुधीर सिंह, अनिल सिंह, बलजिंदर सिंह बिल्ला, कार्यकारिणी अध्यक्ष-अनिल चौधरी, महासचिव मलकित सिंह, लल्लू, कोषाध्यक्ष जोगा राव, सुनील चौधरी, पंकज सिंह, शहनवाज कुरैशी, सोम सिंह, यश सिंह, पीताम्बर, गुरप्रीत सिंह, गुरमीत सिंह, रमन पारस,पंकज शर्मा ,शिवपूजन यादव, मनोज अग्रवाल, सुनील यादव, ललित यादव, हर्ष शर्मा आदि मौजूद थे।

### टोलियों में निकाली कांवड़ यात्रा

सत्तीचौरा में कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा सुबह शिवनाथ नदी के घाट से शुरू हुई, जो 11 बजे सत्तीश्वर महादेव मंदिर पहुंची। गोपाल शर्मा ने बताया कि सुबह शिवनाथ नदी पहुँचकर सभी भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। नदी के जल से कांवड़ भरने के पैदल चलकर सभी श्रद्धालु सत्तीश्वर महादेव मंदिर सत्तीचौरा पहुंचे। यहां अभिषेक और आरती का आयोजन किया गया। विभिन्न स्थानों में शिवभक्तों के ऊपर फूलों की वर्षा की गई। गंजपारा की कावड़ यात्रा की विशेष बात यह रही कि इस कावड़ यात्रा में शिवनाथ नदी तट से सत्तीचौरा तक लगभग 20 से अधिक छोटे बच्चे जिनकी उम्र 4 से 6 वर्ष है वे कावड़ लेकर पैदल चलकर सत्तीश्वर महादेव तक आये और जल चढ़ाये और पूरे रास्ते झूमते रहे। कांवड़ यात्रा में के लिए 2-3 दिन पहले से ही तैयारी की जा रही थी पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता ने कहा, कांवड़ यात्रा का उद्देश्य जहां दुर्ग नगर की जीवनदायिनी शिवनाथ नदी का उत्थान है।

### कसौंधन समाज की कांवड़ यात्रा

सावन के अद्भुत संयोग पर निकली शहर में अलग अलग निकली कांवड़ यात्रा भक्ति का सैलाब है। सभी भक्त कम से कम एक लोटा जल अपने गांव, शहर और घरों में स्थित शिवलिंग पर आज चढ़ाये है। कांवड़ यात्रा के अवसर पर पार्षद की निधि से मंदिर के समाने डोम शेड के हुए निर्माण का उद्घाटन भी किया गया। इस दौरान दुर्ग सभापति श्याम शर्मा, पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता उपस्थित रहे। कांवड़ यात्रा में गयानगर दुर्ग ने कशौधन गुप्ता समाज द्वारा कांवड़ यात्रा निकली गई। जो गंजपारा वासियों के साथ शिवनाथ नदी से निकाली और सत्तीचौरा में जल चढ़ाया। कांवड़ यात्रा की शुरुआत आचार्य डॉ पंडित विक्रांत दुबे द्वारा पूजा अर्चना एवं आरती कर की गई। जिसके बाद कांवड़ यात्रा प्रारंभ हुई और आकर्षक झांकी पूरे यात्रा में आकर्षण का केंद्र रही।

### व्यवस्था में किया सहयोग

कावड़ यात्रा में राजेश शर्मा, गुड्डू कश्यप, योगेन्द्र शर्मा बंटी, पिंकी गुप्ता, मनोज गुप्ता, ललित शर्मा, राहुल शर्मा, मनीष सेन, प्रकाश सिन्हा, राजेश शर्मा, मनोज गुप्ता, ईशान शर्मा, रितेश सेन, राजू पुरोहित, सुजल शर्मा, सोनल सेन, कृतज्ञ शर्मा, वाशु शर्मा, ऋषि गुप्ता, सार्थक शर्मा, वंशु पुरोहित, सिद्धू सेन, लक्की अग्रवाल, विक्की शर्मा सहित सैकड़ों शिवभक्त उपस्थित हुए।

### विधायक देवेंद्र ने देवबलौदा में किया अभिषेक

भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव सोमवार की सुबह शिवनाथ नदी के महमरा एनीकट तट पहुंचे। जहां से जल लेकर देवबलौदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर के लिए रवाना हुए। शिव मंदिर में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया। इस अवसर पर उनके समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

● जयंती स्टेडियम में शिव महापुराण विराम दिवस कथा आज सुबह 8 बजे से

# सौभाग्य से मानव तन मिला, रोज जिससे मिलो उसकी केवल अच्छाई ग्रहण करो, आपमें भी अच्छाई आनी शुरू हो जाएगी

**भिलाई।** जयंती स्टेडियम के मैदान में आयोजित शिव महापुराण कथा के छठवें दिन भगवान भोलेनाथ की करुणा, उदारता और कृपा का वर्णन किया गया। कथा की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि आचार्य विद्यासागर ने बहुत सुंदर विचार कहे हैं कि हमें सौभाग्य से मानव तन मिला है, हम रोज सैकड़ों, हजारों, लाखों लोगों से मिलते हैं, हमें केवल उनकी अच्छाइयां ही ग्रहण करना है। जिस तरह हम भोजन की थाली में सबसे पहले खाने के लिए श्रेष्ठ ही चुनते हैं, जैसे हम कहीं जाने के आलमारी से श्रेष्ठ वस्त्र ही निकालते हैं, उसी तरह हमें लोगों की अच्छी बातें ही ग्रहण करनी है। आचार्य विद्यासागर महाराज कहते हैं कि जब हम अच्छा ही गुण चुनना शुरू करते हैं तो हमारे जीवन में अच्छाइयां स्वयं आती जाती हैं।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि एक नाम, एक उपनाम के अनेक व्यक्ति हो सकते हैं, लेकिन मेरे शंकर भगवान के यहां आपका नाम नहीं चलता, उनके यहां नाम से कोई मतलब हैं, शंकर भगवान के यहां तो केवल एक ही चलती है, वह आपके हृदय का प्रेम। चाहे आप महल में रहकर करो या झोपड़ी में रहकर प्रेम करो। रामजी रावण को मारने के लिए वन से होकर गए, लेकिन वे तो रावण को घर में रहकर भी मार सकते थे। वे रावण को मारने नहीं, बल्कि मां शबरी को दर्शन देने गए थे। एक भक्ति का बल होता है, उसके लिए भगवान को भक्त के दरवाजे तक आना ही पड़ता है। सोमवार की कथा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पत्नी कौशिल्या साय, पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, आईजी रामगोपाल गर्ग, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, महापौर अलका बाघमार, धर्मेंद्र यादव, विधायक देवेंद्र यादव की माता पुष्पा देवी यादव शामिल हुए।

### कथा में शिवजी से मन जोड़ने के लिए जाओ, भीड़ बढ़ाने मत जाओ

मन को जोड़ने के लिए, भाव बढ़ाने के लिए, शिव को पाने के लिए शिवमहापुराण कथा में जाओ, भीड़ बढ़ाने मत जाओ। उन्होंने कहा कि आयोजक दया सिंह ने इतने भक्तों की संख्या के बावजूद सुंदर व्यवस्था की है, दया सिंह जी का साधुवाद। भिलाई के कथास्थल पर प्रतिदिन सुबह से शाम तक लगभग 2 लाख से अधिक भक्त भोजन प्रसादी ले रहे हैं। साथ में संपूर्ण छत्तीसगढ़ शासन, भिलाई नगर के सभी विभाग के आला अधिकारी सबको धन्यवाद देता हूं कि आप सभी की मेहनत कथा को आज छठवें दिन तक लेकर आई है। सभी ने मिलकर कितनी अच्छी व्यवस्था की है।

### शिवकथा मनुष्य के कष्ट को दूर करना सिखाती है

पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि वो सीहोर वाला महाराज शिवमहापुराण में केवल उपाय-उपाय बताता रहता है, लेकिन सिर्फ सिहोर वाला महाराज नहीं, त्रेतायुग में श्री दशरथ जी महाराज ने, द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने भी अपने गुरुजी से पूछा था कि मेरे घर में औलाद कैसे होगी। वेदव्यासजी ने कहा रामचरित मानस मनुष्य को जीना सिखाती है, श्रीमद् भागवत मृत्यु कैसा होना चाहिए बताती है और शिवमहापुराण कथा अपने दुखों को कैसे मिटाया जाय, कष्ट कैसे दूर किया जाय, यह सिखाती है। कथा में वो शक्ति है, जो हर भक्त की पीड़ा को दूर करती है।

### भक्तों ने पत्र में शिवजी की महिमा बताई

भक्त प्रिया जाना, बापू नगर खुर्सीपार ने पत्र में लिखा कि मेरी मौसी की शादी को 49 साल हो गए थे, उन्हें कोई बच्चा नहीं था। सभी जगह के डॉक्टरों ने मना कर दिया था। मैंने उन्हें आपकी कथा और शिवजी की महिमा बताई। उन्होंने उम्र की बात कहते हुए पर निराशा जताई परंतु मैंने उन्हें भरोसा दिलाया। तब मौसी ने पशुपति व्रत कि, कथा सुनी। 50 वर्ष बाद मेरी मौसी के घर में जुलाई 2025 में पुत्र रत्न की प्राप्ति हो गई। ममता सोनी जेवरा सिरसा दुर्ग ने पत्र में पूरे छत्तीसगढ़ की दीदियों की ओर से पंडित जी का राखी भेजी। पत्र में बताया कि 10 सालों से मुझे लिवर में परेशानी थी। कुबेरेश्वर धाम गई वहां से रूद्राक्ष लाया, रोज जल का सेवन करती रही। अब लीवर की समस्या दूर हो गई। मैं शिवजी को प्रणाम करने आई हूं। मनीषा गुप्ता न्यू खुर्सीपार ने पत्र में लिखा कि मेरे पापा राउरकेला उड़िसा में रहते हैं, उनके पेट में तकलीफ थी। लिवर में पानी भर गया था। उन्हें रायपुर में डॉक्टर को दिखाया। डॉक्टरों ने कहा कि ठीक नहीं हुआ तो लीवर ट्रांसप्लांट करना पड़ेगा। रोज दवाई कुंदकेश्वर महादेव का नाम लेकर खाया। बाबा की कृपा से लीवर ठीक हो गया।

## सिटी इवेंट

### मां का दूध है अमृत समान, शिशु को स्तनपान कराने जागरूक होना जरूरी

**भिलाई।** विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत एक अगस्त से सात अगस्त तक विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों और आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम चरोदा भिलाई-3 में आयोजित कार्यक्रम में शिशु को स्तनपान कराने प्रसूता को जागरूक करने पर बल दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज दानी ने कहा कि शिशु का माता से लगाव उसकी गोद में रहने से होता है। उन्होंने कहा कि दूध पिलाने की सही विधि की जानकारी प्रसूता को मालूम होना चाहिए। इसके लिए प्रसूता को जागरूक होना जरूरी है। डॉ शिखर अग्रवाल ने कहा कि दूध पिलाने की सही जानकारी नहीं होने से अधिकांश शिशुओं की मृत्यु फेफड़ों और सांस नली में दूध चले जाने से होती है। स्तनपान सप्ताह के जरिए हर उस पहलू ओर आवश्यक चीजें मां को बताकर जागरूक करके उनके कुपोषण से बचाने और शिशुओं की मृत्यु दर कम करना है। खंड विस्तार एवं प्रशिक्षक स्वास्थ्य अधिकारी बीईईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि मां का दूध अमृत समान होता है प्रसव के बाद अधिकांश जगह इस प्रथम दूध को बच्चे को मां नहीं पिलाती है जिसमें सभी पोषक तत्व और कुदरती तौर से प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने वाली तत्व मौजूद होते हैं। इस अवसर पर ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजिका देविला चंद्राकर और उषा वर्मा ने शिशुओं को पकड़ने की स्थिति और डकार दिलाने की विधि, कंगारू केयर विधि जिसमे शिशुओं का शारीरिक तापमान संतुलन में रहे के बारे में एक प्रेजेंटेशन में बताया। महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर आभा साहू ने बताया कि शिशुओं को सुपोषित रखने, कुपोषण के लक्षण और इसके खतरों के प्रति भी मां को जागरूक किया गया है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की आर विश्वास, पी स्वामी, महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर इन्दु कोसले, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सीमा जंघेल, लीलावती विश्वकर्मा, ममता देशमुख, निर्मला कुर्रे, नंदिनी साहू, मोनिका बंजारे और चित्रा वर्मा सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित रहे।

## सिटी लाइव

### रिटायर्ड शिक्षा अधिकारी अजय की मृत काया चिकित्सा अध्ययन में आयेगी काम

**भिलाई।** बीएसपी के सेवानिवृत्ति शिक्षा अधिकारी अजय आनंद के मरणोपरांत उनकी पार्थिव काया चिकित्सा अध्ययन के लिए दान की गई। अजय आनंद के 88 वर्ष में निधन की सूचना परिजनों द्वारा पवन केसवानी को दी गई इसके पश्चात चिकित्सा अध्ययन के लिए देहदान की औपचारिकता संपन्न करवाई गई। बीएसपी के अनेक विभागों में सेवारत रहे अजय आनंद ने मानवता की भलाई के लिए देहदान का संकल्प लिया था। जिसका पालन उनके परिजनों द्वारा किया गया। उनका मृत शरीर अभिषेक मिश्रा मेमोरियल मेडिकल कॉलेज जुनवानी भिलाई में अध्ययन और अध्यापन के लिए दान किया गया। देहदान के पूर्व एक संक्षिप्त श्रद्धांजलि सभा का आयोजन भी किया गया। इस दौरान उपस्थित प्रबुद्ध जनों में देहदानी अजय आनंद की पत्नी ललिता रानी आनंद, बेटी तनुजा महेन्द्रु, पुत्र विश्वजीत के. आनंद और प्रसंजित आनंद, पवन केसवानी, विमलेश जैन, ऋतिका आनंद, अनंत राय महेन्द्रु, अश्वनी राय महेन्द्रु, राजीव महेन्द्रु, डॉ. थॉमस सैमुअल, प्रह्लाद, वर्गीज सैमुअल, आशीष दशोरे, हेमूलाल यादव, चुन्नू श्रीवास्तव, देबाशीष घोष, प्रकाश कश्यप, जसवंत नागवंशी, अभिनाश सिंह, धर्मदास चावरे, प्रेम लाल नाग, हरि नारायण सिंह, रमेश कुमार पटेल, सुशील बाले, थॉमस फिलिप, गिरी नायडू, राजेश बेनेट, संजय हरदयाल, राज किशोर साहू, डॉ. विनोद यादव, भूपिंदर कुम्भार सहित अनेक प्रबुद्ध जनों ने देहदान के पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता प्रदान की। प्रनाम संस्था द्वारा 2008 से लगातार देहदान एवं नेत्रदान जैसे अनेक मानवसेवार्थ कार्य किए जा रहे हैं। अब तक 2162 प्रबुद्धजनों को देहदान के लिए प्रेरित किया गया है। जिनमें 239 लोगों के मरणोपरांत उनकी पार्थिव काया छत्तीसगढ़ के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में मेडिकल की पढ़ाई के लिए समर्पित की जा चुकी है।

## समाज इवेंट

### महेश कॉलोनी दुर्ग में जन्माष्टमी पर होगा भव्य आयोजन, 20वां वर्ष होगा खास

**भिलाई।** श्री राधा कृष्ण मंदिर महेश कॉलोनी दुर्ग में हर साल जन्माष्टमी का वृहद स्तर पर आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में इस बार भी जन्माष्टमी महोत्सव के आयोजन की तैयारी के लिए समिति द्वारा सकल समाज सहित शहर के प्रबुद्ध जन, समाजिक, धार्मिक संस्था के सदस्यों के साथ ही जनप्रतिनिधियों, पार्षदों की उपस्थिति में राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण पर बैठक आयोजित की गई। जिसमें होने वाले जन्माष्टमी महोत्सव के विस्तृत चर्चा हुई। सुझाव भी आए और उनका क्रियान्वयन भी किया गया। समिति के कार्यक्रम के संबंध में बताते हुए समिति के संरक्षक चतुर्भुज राठी ने कहा कि यह समिति का 20 वर्ष है, हम अपनी परंपरा का लगातार निर्वहन कर रहे हैं। यह जन्मष्टमी महोत्सव न केवल महेश कालोनी राधाकृष्ण मंदिर का है बल्कि इसे शहर के आयोजन के रूप में लोगों तक ले जाकर उनको जोड़कर इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आयोजन के संबंध में सभी को विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के स्वरूप को बैठक में उपस्थितजनों के समक्ष रखते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम में जोड़ने एवं जुड़ने के लिए आह्वान किया। बैठक में उपस्थित विभिन्न सामाजिक धार्मिक एवं प्रबुद्ध जनों ने अपने सुझाव दिए।

● अग्रवाल महिला मंडल द्वारा तीज उत्सव का आयोजन, हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

# शक्ति और सुंदरता का सम्मान तीज उत्सव, राजस्थानी थीम और पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं ने दी प्रस्तुति

**दुर्ग।** सावन के महीने में सभी समाज की महिलाओं द्वारा तीज सेलिब्रेशन का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में अग्रवाल समाज महिला मंडल के तत्वावधान में तीज उत्सव का आयोजन अग्रसेन भवन में आयोजित किया गया। शक्ति और सुंदरता के सम्मान में आयोजित तीज उत्सव पर राजस्थानी थीम में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुई। इस दौरान विशेष आकर्षण प्रोजेक्टर में मनोरंजक गेम्स और बंपर हाउजी रहा। जिसमें विजेताओं को सिल्वर कॉइन गिफ्ट दिया गया। इस अवसर पर दुर्ग नगर निगम की महापौर अलका बाघमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत अग्रसेन महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। महिला मंडल अध्यक्ष सरिता गोयल ने तीज उत्सव के महत्व के बारे में जानकारी दी।

### टीम भावना से हुआ आयोजन, रहे शामिल

कार्यक्रम में तीज उत्सव टीम से संजना पोद्दार, वंदना गुप्ता, तृप्ति अग्रवाल, रजनी रूंगटा, सुमन मोदी, प्रियंका गोयल, निधि अग्रवाल, श्वेता गोयल, रश्मी गोयल, सुनीता खेतान का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर परअग्रवाल समाज के अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, संरक्षक सुधीर अग्रवाल, कैलाश रूंगटा, महासचिव ललित सेकसरिया, पंकज, कृतिका, अग्रवाल युवा मित्र मंडल के अध्यक्ष हिमांशु अग्रवाल, अग्रवाल यूथ क्लब के अध्यक्ष अनूप अग्रवाल सहित टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे।

### बंपर हाउसी में विजेता प्रतिभागी को सिल्वर कॉइन

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने महिलाओं की भूमिका और समाज में उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं समाज की रीढ़ होती हैं और तीज उत्सव हमें उनकी शक्ति और सुंदरता का सम्मान करने का अवसर देता है। इस अवसर पर बंपर हाउसी में सिल्वर कॉइन का वितरण किया, जो कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण था। बंपर हाउसी की विनर स्वाति अजय अग्रवाल रही। आयोजन में महिला मंडल कोर ग्रुप और कार्यक्रम प्रभारियों ने कमान संभाले हुए थी।

### तीज सेलिब्रेशन में दिखा उत्साह, आकर्षक वेशभूषा में नजर आई महिलाएं

अग्रवाल महिला मंडल की कार्यकारी अध्यक्ष अनीता अग्रवाल ने बताया कि त्योहारों की शुरुआत तीज से ही होती है और तीज को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह रहता है। इस बार तीज उत्सव पर राजस्थानी थीम दी गई थी। जिसमें महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुई। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष रूही अग्रवाल भी उपस्थित रही। कार्यक्रम में एक बड़ा ही मनोरंजक गेम प्रोजेक्टर पर ये उन दिनों की बात है का संचालन मोनिका खेतान, प्रीति राजगढ़ियां और उनकी टीम द्वारा बड़े ही अनूठे तरीके से खिलाया गया। तीज उत्सव के इस आयोजन में अग्रवाल समाज महिला मंडल की महिलाओं ने एकता और शक्ति का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का मंच संचालन पिंकी बंसल, श्वेता अग्रवाल और आभार प्रदर्शन सचिव सरोज अग्रवाल द्वारा दिया गया।

## शांति पाठ का भी किया आयोजन

# वेद सनातन धर्म का मूल, 14 दिनों तक चलेगा वैदिक मंत्रों का पाठ और वेद प्रचार

**भिलाई।** आर्य समाज मंदिर दुर्ग-भिलाई और छत्तीसगढ़ प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य वीर दल के संयुक्त तत्वावधान में 14 दिनों तक वेद मंत्रों का पाठ कर वेद प्रचार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आर्य समाज का वेद प्रचार कार्यक्रम 3 से 17 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा।

विश्व की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शांति पाठ किया गया।पहले दिन के कार्यक्रम में कासगंज से आए श्रीकांत आर्य भजनोपदेशक का आर्य जनों ने स्वागत किया। कार्यक्रम में वैदिक मंत्रों का उच्चारण किया गया। आचार्य अंकित शास्त्री ने कार्यक्रम का संयोजन किया। सुकांत आर्य ने भजन उपदेशों के माध्यम से सत्य सनातन वैदिक धर्म के महत्व को जनमानस के समक्ष रखा। आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि हिंदू धर्म के प्रत्येक ग्रंथ में वेदों की महिमा बताई गई है। वेद के बिना हिंदू धर्म का आधार नहीं है। वेद वैदिक संस्कृति और हिंदू संस्कृति का मूल है इसलिए वेद को पढ़ना-पढ़ाना और सुनना-सुनाना हमारा परम धर्म है। आचार्य ने बताया कि वेद उपदेश देते हैं कि विश्व एक कुटुंब है वसुधैव कुटुम्बकम्-और सबके साथ समभाव, सह अस्तित्व और करुणा के साथ व्यवहार करना चाहिए।

वेदों में प्रकृति के तत्वों अग्नि, वायु, जल, पृथ्वी, आकाश की पूजा के माध्यम से सिखाया गया है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर ही सुखमय और संतुलित जीवन जी सकते हैं। वेदों का उपदेश आत्मानुशासन, संयम, ज्ञान, कर्म और भक्ति के समन्वय से जीवन को श्रेष्ठ बनाने की शिक्षा देता है। आर्य समाज का यह आयोजन निस्वार्थ भाव से जनकल्याण के लिए किया जा रहा है। समाज का कोई भी व्यक्ति जो सनातन धर्म संस्कृति परंपरा और वेद मंत्रों को समझना चाहता है, वह आर्य समाज से संपर्क कर सकता है। अवनी भूषण पुरंग एवं प्रवीण गुप्ता ने सभी आर्यों से वेद प्रचार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। इस दौरान धर्मपाल खंडूजा, अंकित शास्त्री, डॉ. अजय आर्य, प्रवीण गुप्ता, रवि आर्य सहित अन्य वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

**वेद प्रचार कार्यक्रम 3 से 17 अगस्त तक चलेगा**

## हरियाली तीज का कार्यक्रम

# रंगीलो सावन सेलिब्रेशन में दी इंद्रधनुषीय प्रस्तुति

**भिलाई।** श्री श्री मातृशक्ति महिला मंडल हुडको द्वारा रंगीलो सावन हरियाली तीज का कार्यक्रम स्टील क्लब सेक्टर 8 में धूमधाम से मनाया गया। सावन के इंद्रधनुषीय रंगो की छटा बिखेरने का संदेश देते इस आयोजन में महिलाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जिससे मुख्य अतिथि के रूप में क्षत्रिय राजपूत महिला समाज की अध्यक्ष गीता सिंह, आराध्या दुर्गा जन कल्याण समिति की अध्यक्ष अर्चना सहारे, गायत्री पांडे, मातृशक्ति महिला मंडल की अध्यक्ष नीलिमा शुक्ला, मीडिया प्रभारी उर्मिला अवस्थी की उपस्थिति में सभी सदस्यों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सावन सेलिब्रशेन को रोचक बनाने सावन के झूले पर झूला उत्सव भी मनाया गया। इस दौरान सभी सदस्याओं ने हरे रंग की साड़ी के साथ सोलह श्रृंगार कर प्रश्न उत्तर राउंड में बेबाकी से जवाब दिया। समिति के वर्ष 2025-26 की हरियाली सावन क्वीन का खिताब प्रतिमा दीक्षित को मिला। फर्स्ट रनर अप मीना तिवारी और सेकंड रनर अप रेनू पांडे विजेता रही। इस अवसर पर कई रोचक गेम्स भी खेले गए।

**सावन के झूले पर झूला उत्सव भी मनाया**

## ब्रह्माकुमारीज 'आनंद सरोवर' बघेरा दुर्ग में रक्षा बंधन एवं सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम

कार्नर न्यूज

# श्रेष्ठ संस्कार सकारात्मक संसार का करते हैं निर्माण, निगेटिव थॉट्स मन और रिश्ते पर डालते हैं नकारात्मक प्रभाव, उसे करें बाय-बाय

**भिलाई।** दुर्ग। रक्षाबंधन में दो शब्द बहुत मीठे हैं प्योरिटी और प्रोटेक्शन, यह दो शब्दों से ही वास्तव में रक्षाबंधन का कनेक्शन है और आज देखिए हमको सबसे ज्यादा तंग या परेशान करने वाली कौन सी चीज है जो लगातार हमारे मन में चलती रहती है, वह है हमारी ही अपनी वेस्ट और नेगेटिव थॉट्स। नेगेटिव संस्कार इसीलिए कहते हैं की श्रेष्ठ संस्कार श्रेष्ठ संसार का निर्माण करती है। हम सभी सुरक्षित और श्रेष्ठ संसार चाहते हैं तो उसके लिए हमें अपनी संस्कारों को श्रेष्ठ बनाना पड़ेगा और संस्कारों को श्रेष्ठ बनाने की शिक्षा निराकार परमपिता परमात्मा शिव वर्तमान समय में सभी मनुष्य आत्माओं को इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय के माध्यम से दे रहे हैं। रक्षाबंधन और श्रेष्ठ जीवन से जुड़ी यह गूढ़ बातें बीके रीटा ने कही। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बघेरा दुर्ग के कमला दीदी समागार में रक्षाबंधन एवं सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल, ब्रह्माकुमारी दुर्ग संचालिका रीटा, ब्रह्माकुमारी चैतन्य प्रभा सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक इस आयोजन में शामिल हुए।

### जीवन की बुराई छोड़ने दिलाया संकल्प

रक्षाबंधन के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए बीके रीटा दीदी ने कहा कि रक्षा बंधन में बहन अपने भाई को राखी बांधकर मुंह मीठा कराती है और भाई बहन को खर्च या उपहार देते हैं। इसका अर्थ है कि आज आप सभी इस आनंद सरोवर में रक्षाबंधन कार्यक्रम में उपस्थित हुए हैं आज हम आपसे यह खर्च मांगते हैं कि आपके जीवन में जो भी बुराई है उसे खर्ची के रूप में यहां छोड़कर जाने का दृढ़ संकल्प करें।

### एसएसपी ने सायबर फ्रॉड से बचने दिये टिप्स

एसएसपी दुर्ग विजय अग्रवाल ने सामाजिक सुरक्षा विषय पर बोलते हुए कहा कि सामाजिक सुरक्षा के विषय में पुलिस एक ऐसी संस्था है जो समाज की बुराइयों से लड़ती है और ना चाहते हुए भी कई बार बुराइयां भी पुलिस के स्वभाव के हिस्सा बन जाती है। व्यक्तिगत स्तर पर कि लोग सिर्फ पुलिस की बुराइयों को याद रखते हैं, पुलिस की जो अच्छे काम होते हैं उसे नोटिस नही करते हैं लेकिन जहां हम लोग असफल होते हैं लोग उन्हीं चीजों को याद रखते हैं। हम भी उसी समाज से है जहां से आप आते हैं, हमारी भी उतनी ही इंद्रिय है जितनी आपकी है। बस यह है कि जिस नौकरी में है उसे नौकरी में एक विशेष कार्य करने का दायित्व दिया है जिससे सामाजिक सुरक्षा और किसी को कोई मुश्किल ना आने पाये। एक पुलिस मैन के रूप में आज चुनौतियां बहुत बढ़ गई है जो पुराने समय के अपराध थे वह तो हो ही रहे हैं परंतु जो नए अपराध आ गए जैसे साइबर फ्रॉड सबसे बड़ी चुनौती है। मोबाइल और लैपटॉप में जो प्रोडक्ट्स है सबसे पहले आपसे गलती करवाता है वह आपके हैबिट को देखता है और एनालिसिस करके आपसे गलती करवाता है। आप कोई ऑनलाइन पेमेंट करते हैं तो प्रॉपर्ली लॉग आउट नहीं हुए पेमेंट किया आप बटन बिना ऑफ किए दूसरे काम में उपयोग किया, सामने कोई ब्लूटूथ या कोई वाईफाई डिवाइस से पूरा मोबाइल का डाटा हैक कर लेता है। उन्होंने अपने बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट की समय-समय पर जांच करने की बातें कही। सोशल मीडिया परिवार के बिखराव का भी कारण बन रहा है और विशेष रूप से बच्चियों पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। अगर आप बच्चों की सुरक्षा चाहते हैं तो उनसे बात करके उनकी समस्याओं को समझिए, सिर्फ बात करने से ही आधी समस्या हल हो जाती है। सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा के लिए सीसीटीवी आवश्यक है।

## ज्योतिष

### 50 साल बाद बनेगा पावरफुल त्रिग्रही योग, आकस्मिक धनलाभ के योग

वैदिक ज्योतिष अनुसार ग्रह समय- समय पर ग्रह गोचर करके त्रिग्रही और चतुर्ग्रही योग बनाते हैं, जिसका प्रभाव मावन जीवन और देश- दुनिया पर देखने को मिलता है। आपको बता दें कि द्रिक पंचांग के अनुसार, साल 2025 में 26 जुलाई को शुक्र देव ने मिथुन राशि में प्रवेश किया है। वहीं गुरु ग्रह मिथुन राशि में संचरण कर रहे हैं। ऐसे में इस वक्त मिथुन राशि में शुक्र और गुरु ग्रह साथ में विराजमान हैं। हालांकि इस बीच 18 अगस्त को चंद्र देव मिथुन राशि में कदम रखेंगे और मिथुन राशि में चंद्र, शुक्र और गुरु की युति यानी मिलन होगा। ऐसे में कुछ राशियों का भाग्य चमक सकता है।

**तुला राशि :** आप लोगों के लिए त्रिग्रही योग लाभदायक साबित हो सकता है क्योंकि यह योग आपकी राशि से भाग्य स्थान पर बनने जा रहा है। इसलिए इस समय आपको किस्मत का साथ मिल सकता है। साथ ही आपके अटके हुए कार्य बन सकते हैं। वहीं नौकरी कर रहे जातकों को अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिलेगा। साथ ही आप अपने करियर को लेकर सीरियस होंगे। अविवाहित जातकों के लिए रिश्ता आने का योग है। वहीं इस समय आप किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। साथ ही नौकरी और व्यवसाय में उन्नति होगी और लंबी दूरी की यात्राएं फायदेमंद रहेंगी।

**मिथुन राशि :** त्रिग्रही योग का बनना मिथुन राशि के जातकों को शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह योग आपकी राशि से लग्न भाव पर बनने जा रहा है। इस समय आप अधिक लोकप्रिय रहेंगे। साथ ही आपको मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। वहीं वैवाहिक जीवन में खुशियां आएंगी और साझेदारी के व्यवसाय में बड़ा मुनाफा हो सकता है। कानूनी मामलों में फैसला आपके पक्ष में आएगा और करियर में नई उपलब्धियां मिलेंगी। साथ ही इसके अलावा सेहत का भी साथ मिलेगा और गंभीर बीमारियां आपसे बहुत दूर रहेंगी।

### 12 महीने बाद बुध करेंगे सूर्य के घर में प्रवेश

वैदिक ज्योतिष अनुसार नवग्रह में कुछ ग्रहों की आपस में शत्रुता और मित्रता का भाव है। इसलिए जब भी गोचर में मित्र ग्रहों का संयोग बनता है तो उसका विशेष प्रभाव मानव जीवन और देश- दुनिया पर देखने को मिलता है। आपको बता दें कि 30 अगस्त को ग्रहों के

राजकुमार बुध अपने मित्र सूर्य की राशि में गोचर करने जा रहे हैं, जिससे 3 राशि के जातकों को धनलाभ और व्यापार-करियर में उन्नति के योग बन रहे हैं। साथ ही इन लोगों पर बुध ग्रह की विशेष कृपा रहने वाली है। वहीं देश- विदेश की यात्रा कर सकते हैं। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं

**वृश्चिक राशि :** बुध ग्रह का राशि परिवर्तन आपको लाभप्रद साबित हो सकता है क्योंकि यह गोचर आपकी राशि से से नौकरी और व्यापार के स्थान पर होने जा रहा है। इसलिए इस अवधि में आपको काम- कारोबार में अच्छी सक्सेस मिल सकती है। साथ ही जो लोग नौकरी की तलाश में है, उनको नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। वहीं इस समय आपको हर क्षेत्र में सहयोग मिलेगा, नौकरी और व्यवसाय में उन्नति होगी और लंबी दूरी की यात्राएं फायदेमंद रहेंगी। पिता या गुरु से सहायता मिल सकती है। साथ ही इस समय आपको पैतृक संपत्ति का लाभ मिल सकता है।

**कर्क राशि :** बुध ग्रह का गोचर कर्क राशि के जातकों को अनुकूल सिद्ध हो सकता है क्योंकि यह गोचर आपकी राशि से धन भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस समय आपको आकस्मिक धनलाभ हो सकता है। साथ ही इस समय आपके व्यक्तित्व में निखार होगा। वहीं व्यवसाय में नए पार्टनर्स के साथ काम करने के मौके मिलेंगे और पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिल सकता है। वहीं आपके कम्युनिकेशन में सुधार आएगा। जिससे लोग इंप्रेस होंगे। वहीं अविवाहित जातकों के लिए रिश्ता आने का योग है। व्यापारियों को बड़े निवेश से लाभ होगा। साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

**धनु राशि :** बुध ग्रह का गोचर धनु राशि के लोगों को सकारात्मक सिद्ध हो सकता है क्योंकि यह राशि परिवर्तन आपकी गोचर कुंडली से नवम भाव पर होने जा रहा है। इसलिए इस दौरान आपको भाग्य का साथ मिल सकता। साथ ही इस दौरान आपकी बुद्धि और कौशल का स्तर बढ़ेगा और आपको अतिरिक्त धन कमाने का अवसर मिलेगा। वहीं इस समय धार्मिक और मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। साथ ही आप छोटी या बड़ी यात्रा कर सकते हैं, जो लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

## स्ट्रीट फूड्स में फाइबर और प्रोबायोटिक्स होते हैं

# पाचन को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं कुछ स्ट्रीट फूड्स, स्वच्छता का रखें ध्यान

पाचन को स्वस्थ रखना शरीर के समग्र स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। भारतीय स्ट्रीट फूड्स न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें ऐसे गुण भी होते हैं, जो पाचन को सुधार सकते हैं। पानी पुरी, ढोकला, मिसल पाव, मूंग दाल चाट और भुट्टा जैसे स्ट्रीट फूड्स में फाइबर और प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो पाचन को सुधारने में मदद करते हैं। मगर इन स्ट्रीट फूड्स का सेवन जहां भी करें इस बात का जरूर ध्यान रखें की वहां साफ-सफाई है कि नहीं। इतना ही नहीं खाद्य सामग्री बनाने में उपयोग किया जा रहा मटेरियल किस तरह का है।

### पानी पुरी

पानी पुरी का पानी इमली, पुदीने, धनिये और गुड़ जैसे खाद्य पदार्थों से बनाया जाता है, जो पाचन को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त पानी पुरी के लिए सूजी के गोलों को गहरा तलकर बनाया जाता है, जो फायदेमंद गुणों से भरे होते हैं। यह पेट के अच्छे जीवाणुओं को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

### ढोकला

ढोकला एक लोकप्रिय गुजराती व्यंजन है, जो चने के आटे से बनाया जाता है। यह भाप में पकाया जाता है, जिससे यह हल्का और पौष्टिक बनता है। ढोकला फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन को सुधारने में मदद करता है। इसमें मौजूद अच्छे बैक्टीरिया भी आंत के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा ढोकला में हल्का मसालेदार स्वाद होता है, जो इसे और भी स्वादिष्ट बनाता है।

### मिसल पाव

मिसल पाव एक महाराष्ट्रीयन व्यंजन है, जिसमें मसालेदार सब्जियों को ब्रेड के साथ परोसा जाता है। यह व्यंजन प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन को सुधारने में मदद करता है। मिसल पाव में इस्तेमाल होने वाले मसाले जैसे जीरा, धनिया और लाल मिर्च भी पाचन को सुधारने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह व्यंजन स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पौष्टिक भी है, जो इसे हर किसी का पसंदीदा बनाता है।

### मूंग दाल चाट

मूंग दाल चाट एक पौष्टिक स्नैक है, जिसे मूंग दाल, टमाटर, प्याज और मसालों से बनाया जाता है। मूंग दाल फाइबर और प्रोटीन से भरपूर होती है, जो पाचन को सुधारने में मदद करती है। इस चाट में नींबू का रस और हरी चटनी मिलाई जाती है, जो इसे स्वादिष्ट बनाते हैं। मूंग दाल चाट को हल्के मसालों के साथ बनाया जाता है, जिससे यह हर किसी को पसंद आती है।

### भुट्टा

भुट्टा एक साधारण स्ट्रीट फूड है, जिसे खुले में भूनकर बनाया जाता है। यह विटामिन-C और फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन को सुधारने में मदद करते हैं। भुट्टे को नमक और नींबू डालकर खाया जाता है, जिससे इसका स्वाद बढ़ जाता है। ये सभी स्ट्रीट फूड्स न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि स्वस्थ भी होते हैं। इन्हें अपने आहार में शामिल करके आप अपने पाचन को बेहतर बना सकते हैं।

## गर्भ में भ्रूण ज्यादा किस चीज को करते हैं पसंद और कैसे पहचानते हैं ममत्व?

प्रेग्नेंसी का समय हर महिला के लिए बहुत खास होता है। इस दौरान महिलाएं अपने गर्भ में एक नए जीवन को बढ़ते हुए महसूस करती हैं। गर्भ में पल रहे शिशु भी बाहर की दुनिया से अपने मां के द्वारा कनेक्ट होने की कोशिश करते हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान मां जो भी खाती-पीती या सुनती-बोलती है उसका सीधा प्रभाव भ्रूण के स्वास्थ्य पर पड़ता है। लेकिन, क्या आपको पता है भ्रूण मां के गर्भ में रहते हुए कई चीजों को पसंद करते हैं और खुश होते हैं। मां के पेट में बच्चा जब भी कोई खास स्वाद या आवाज महसूस करता है, तो वह उस पर रिएक्शन देता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस बारे में चिकित्सक क्या देते हैं सलाह।

### गर्भ में भ्रूण किस चीज को कैसे करते हैं ग्रहण

**मीठे फलों और दूध का स्वाद सबसे ज्यादा पसंद :** प्रेग्नेंसी के दौरान मां के खाने का स्वाद भ्रूण को काफी पसंद आता है। प्रेग्नेंट महिला जो चीजें खाती है, उनका स्वाद

बच्चे को एम्निओटिक फ्लुइड के जरिए मिलता है। गर्भवती महिला के खाने से बच्चे के टेस्ट बड्स एक्टिव होने लगते हैं और उसे मीठी, खट्टी, और मसालेदार चीजों का स्वाद मिलने लगात है। मीठे फलों और दूध का स्वाद बच्चे को सबसे ज्यादा पसंद होता है।

**मां की आवाज सुन खुद को समझता है महफूज :** प्रेग्नेंसी के दौरान भ्रूण को मां की आवाज साफ सुनाई देती है और शिशु अपनी मां की आवाज को पहचानना शुरू कर देते हैं। मां की आवाज सुनने से शिशु को सुरक्षा और प्यार महसूस होता है, जिससे उनका मानसिक विकास सकारात्मक तरीके से प्रभावित होता है। नियमित रूप से मां के अपने भ्रूण से बातचीत करने और लोरी सुनने से मां और शिसु में गहरा जुड़ाव होता है।

**अच्छा संगीत सुनना भी लगता है अच्छा :** शांत और अच्छे संगीत सुनने से गर्भ में शिशु को काफी सुकून मिलता है और उन्हें काफी अच्छा लगता है। रिलैक्सिंग म्यूजिक शिशु के दिमाग के विकास में मदद कर सकता है। इसके अलावा, संगीत सुनने से मां का तनाव भी कम होता है, जो शिशु के संपूर्ण विकास के लिए फायदेमंद माना जाता है।

### प्रेग्नेंसी के दौरान मां को इन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं ज्यादा शोर-शराबे वाली जगहों पर जाने से बचें, क्योंकि तेज आवाजें शिशु के लिए असुविधाजनक हो सकती है, इसलिए शांत वातावरण बनाए रखने की कोशिश करें। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं बहुत तेज बात करने, बोलने या चिल्लाने से बचें, क्योंकि तेज आवाज में बात करने से शिशु पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं अपने पति या परिवार के अन्य सदस्याओं के साथ किसी भी तरह के मतभेद के दौरान अपनी आवाज पर कंट्रोल रखने की कोशिश करें, क्योंकि इससे शिशु पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

**गर्भवती महिलाएं इनसे बचें :** प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं के खाने, गाने सुनने और अपने पेट को बार-बार छूना भ्रूण को काफी अच्छा लगता है। लेकिन, महिलाएं अपने गर्भावस्था के दौरान तेज आवाज में बात करने या गाना सुनने से बचें, क्योंकि ये शिशु के लिए असुविधाजनक हो

## सीबीएसई क्लस्टर-2 बैडमिंटन टूर्नामेंट में डीपीएस रायपुर बना चैंपियन, लगातार दूसरे वर्ष जीता गोल्ड

**रायपुर।** दिल्ली पब्लिक स्कूल, फरक्का एनटीपीसी, मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) में 1 से 3 अगस्त 2025 तक आयोजित सीबीएसई क्लस्टर-2 बैडमिंटन टूर्नामेंट में डीपीएस रायपुर की अंडर-14 बालक टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा राज्यों के 113 स्कूलों की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में कुल 900 खिलाड़ी शामिल हुए, जिनमें 600 बालक और 300 बालिकाएं थे। फाइनल मुकाबले में डीपीएस रायपुर ने डीएवी पब्लिक स्कूल, बैरकपुर को हराया। विजेता टीम में अभिमन्यु सिंह, शाश्वत मिश्रा और श्रेयांस मिस्त्री शामिल रहे। टीम के कोच शक्ति मिश्रा ने बताया कि अब यह टीम सितंबर में गुरुग्राम (हरियाणा) में आयोजित सीबीएसई नेशनल बैडमिंटन स्पर्धा में भाग लेगी, जहां यह भुवनेश्वर जोन का प्रतिनिधित्व करेगी। वर्ष 2024 में भी क्लस्टर-2 बैडमिंटन टूर्नामेंट, जो कि केपीएस भिलाई द्वारा आयोजित किया गया था, डीपीएस रायपुर की अंडर-14 बालक टीम ने जीता था। इस तरह डीपीएस रायपुर लगातार दो वर्षों से क्लस्टर चैंपियन बना हुआ है।

## पोहा से बनाए जा सकते हैं ऐसे स्वादिष्ट व्यंजन जो जब चाहे तब खाओ

आमतौर पर पोहा का सेवन नाश्ते में किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि पोहा से कई तरह के व्यंजन बनाए जा सकते हैं? पोहा चावल का एक रूप है, जो हल्का और आसानी से पचने वाला होता है इसलिए इसे किसी भी समय खाया जा सकता है। आइए आज हम आपको पोहे से बनाए जाने वाले व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें घर पर कुछ ही मिनटों में तैयार किया जा सकता है।

**पोहा कटलेट :** पोहा कटलेट एक बेहतरीन स्नैक है, जिसे आप शाम की चाय के साथ परोस सकते हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को धो लें और नरम होने दें, फिर इसमें उबले आलू, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया और नमक मिलाकर अच्छी तरह से मसल लें। अब इस मिश्रण से छोटे-छोटे कटलेट बना लें और उन्हें तवे पर हल्का सा तेल लगाकर सुनहरा होने तक सेंके। इसे गर्मागर्म चटनी के साथ परोसें।

**पोहा टिक्की :** पोहा टिक्की बनाने के लिए सबसे पहले पोहे को धोकर नरम कर लें, फिर उसमें उबले आलू, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया और नमक मिलाकर अच्छी तरह मसल लें। अब इस मिश्रण से छोटी-छोटी टिक्की बना लें और उन्हें तवे पर हल्का सा तेल लगाकर सुनहरा होने तक सेंके। इसे

गर्मागर्म चटनी के साथ परोसें। यह टिक्की बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगी और इसे बनाना भी बहुत आसान है।

**पोहा चीला :** पोहा चीला एक सेहतमंद विकल्प है, जिसे आप नाश्ते में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले पोहे को धोकर नरम कर लें, फिर उसमें बेसन, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया, नमक और थोड़ा पानी मिलाकर घोल तैयार करें। अब इस घोल को तवे पर पतला फैलाएं और दोनों तरफ सुनहरा होने तक सेंके। इसे गर्मागर्म चटनी या दही के साथ परोसें। यह चीला न केवल स्वादिष्ट है बल्कि पौष्टिक भी है।

**पोहा भेल :** पोहा भेल एक कुरकुरी स्नैक है, जिसे आप शाम की चाय के साथ खा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले पोहे को धोकर नरम कर लें, फिर उसमें बारीक कटी हुई प्याज, टमाटर, खीरा, हरी मिर्च, अदरक, हरा धनिया और नमक मिलाएं।

## कार्नर न्यूज

## दोबारा गर्म करने पर बैक्टीरिया पनपने लगते हैं

# कभी भी इन खाद्य पदार्थों को दोबारा गर्म न करें, सेहत को हो सकता है नुकसान

आजकल ज्यादातर लोग कामकाजी हैं और ऐसे में खाना बच जाता है तो उसे दोबारा गर्म कर खा लेते हैं क्योंकि इससे उनका समय भी बच जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि कुछ खाद्य पदार्थों को दोबारा गर्म करने से सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आइए आज हम आपको ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताते हैं, जिनके दोबारा गर्म करने से सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

### चावल

चावल को दोबारा गर्म करने से कुछ बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जो खाने को खराब कर सकते हैं। दरअसल, चावल को पकाने के बाद भी उसमें मौजूद नमी बैक्टीरिया को बढ़ावा देती है। इसलिए चावल को दोबारा गर्म करने से बचें और अगर चावल बचे भी हैं तो उन्हें ठंडा करके फ्रिज में रख दें। इसके बाद अगले दिन सुबह या दोपहर के समय उन्हें गर्म करके खाएं।

### हरी सब्जियां

हरी सब्जियां सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं, लेकिन इन्हें दोबारा गर्म करने से बचें। इनमें कुछ तत्व होते हैं, जो दोबारा गर्म करने पर विषैले बन जाते हैं। इसके कारण पेट की समस्याएं या उल्टी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए हरी सब्जियों को दोबारा गर्म करने से बचें। हरी सब्जियों का सेवन ताजे रूप में करें।

### आलू

आलू में प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है, जिससे इन्हें दोबारा गर्म करने पर बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इसके अलावा दोबारा गर्म किए गए आलू खाने से पेट दर्द, उल्टी और यहां तक कि खाने से जुड़ी बीमारियों का भी खतरा बढ़ सकता है। इसलिए आलू की किसी भी सब्जी या पकवान को दोबारा गर्म करने से बचें।

### मशरूम

मशरूम को दोबारा गर्म करने से भी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इनमें कुछ तत्व होते हैं, जो दोबारा गर्म करने पर विषैले बन जाते हैं। इसके कारण पेट की समस्याएं या उल्टी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए मशरूम को दोबारा गर्म करने से बचें। अगर आपको मशरूम का इस्तेमाल करना है तो इन्हें थोड़ी मात्रा में ही बनाएं ताकि बचने पर इन्हें फेंकना न पड़े।

### पिज्जा

पिज्जा एक ऐसा व्यंजन है, जिसे लोग बहुत चाव से खाते हैं, लेकिन अगर पिज्जा बच जाए तो उसे दोबारा गर्म करने से बचें। इसमें पनीर होती है और जब इसे दोबारा गर्म किया जाता है तो इसमें मौजूद तत्व खराब हो जाते हैं और इससे सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा दोबारा गर्म पिज्जा खाने से पेट दर्द या उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

## फिल्म इवेंट

### हॉलीवुड

## सबसे अमीर के-पॉप सिंगर, कॉकरोच भरे कमरे में सोई, एजेंसियों ने ठगा

के-पॉप स्टार आईयू, जिनका असली नाम ली जी यून है, साउथ कोरिया की सबसे अमीर सिंगर हैं। 15 साल की उम्र में उन्होंने अपना करियर शुरू किया। उनका बचपन गरीबी में बीता। कई कंपनियों ने उन्हें रिजेक्ट कर दिया था। रिश्तेदारों ने उनका मजाक उड़ाया। के-पॉप में कई चौंकाने वाली सफलता की कहानियां हैं, लेकिन इस आइडल ने अपनी सफलता जमीन से जुड़े रहकर हासिल की। जहां कई लोग दुनियाभर में फेमस होने के पीछे भाग रहे थे, वहीं उन्होंने घर को चुना और देश ने भी उन्हें इसके लिए प्यार दिया। 1993 में सियोल के सोंगजियोंग डोंग में जन्मी, आईयू गरीबी में पली-बढ़ी। जब उसके माता-पिता कर्ज चुकाने में असमर्थ हो गए और अपने बच्चों का पालन-पोषण नहीं कर सके, तो आईयू और उनके छोटे भाई को उनकी दादी के पास रहने के लिए भेज दिया गया। यहीं उन्होंने अपना ज्यादातर बचपन बिताया और यहीं उन्होंने अपनी आवाज भी पहचानी। उन्होंने कम उम्र में ही समझ लिया कि उन्हें क्या करना है। बचपन में ही वह हर ऑडिशन के लिए दौड़ीं, लेकिन बार-बार उन्हें मना कर दिया गया। एक यूट्यूब वीडियो में, आईयू ने एक बार बताया था कि उनके पास खाने के लिए भी कुछ नहीं था। वे एक ठंडे, कॉकरोचों से भरे कमरे में रहती थीं और उनकी दादी घर में कुछ पैसे लाने के लिए बाजार में हेयर क्लिप बेचा करती थीं।

### टॉलीवुड

## सबसे पवित्र चीज को गंदी नजर से देखते हैं लोग : तमन्ना भाटिया

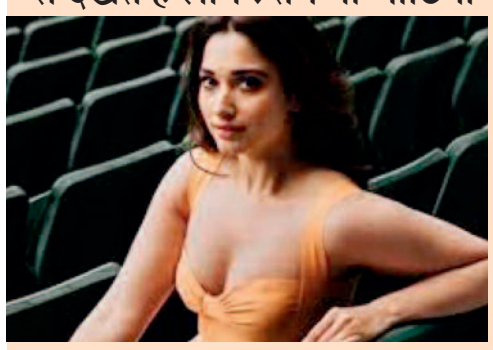

'बाहुबली' साउथ सिनेमा की सबसे शानदार फिल्म कही जाती है। इसमें प्रभास से लेकर तमन्ना भाटिया तक ने दमदार एक्टिंग की थी। पर एक सीन था, जिसको लेकर विवाद हुआ था। इस पर तमन्ना ने बचाव किया है। उनका कहना है कि जब लोग आपको कंट्रोल नहीं कर पाते हैं तो वो आपको शर्म और गिल्टी महसूस करवाते हैं। एसएस राजामौली की फिल्म 'बाहुबली' ने देश-दुनिया में तहलका मचा दिया था। इसने ना सिर्फ भारतीय सिनेमा के, बल्कि साउथ इंडियन सिनेमा का स्तर भी बहुत ऊंचा कर दिया था। इसमें प्रभास से लेकर तमन्ना भाटिया तक ने अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म में दोनों के बीच एक सीन था, जिसमें प्रभास एक-एक कर अवंतिका (तमन्ना का किर बदन से कपड़े हटाते हैं और उनका मेकअप करते हैं। ऐसा करके वो उन्हें याद दिलाते हैं कि वो एक औरत हैं, जिसे वो भूल चुकी थीं। इस सीन को लेकर विवाद हुआ था, जिसका तमन्ना ने बचाव किया है। तमन्ना भाटिया ने 'बाहुबली' के उस विवादित सीन पर अपनी राय रखी। 'द रेप ऑफ अवंतिका' टाइटल से पब्लिश हुए एक आर्टिकल पर उन्होंने कहा, 'ये मेरा विचार है। जब लोग आपको कंट्रोल नहीं कर सकते। वो एक टेक्नीक का इस्तेमाल करते हैं और वो है- शर्म और गिल्टी। क्योंकि, वो हमेशा आपको ऐसा महसूस कराते हैं कि आप जो भी करें, उसके बारे में आपको शर्मिंदा होना चाहिए। जब भी आपको महसूस करा सकते हैं, वो आप पर कंट्रोल पा सकते हैं।'

### भोजपुरी

## खेसारी की 'श्री 420' का ट्रेलर रिलीज, एक्शन हीरो ने इस बार दर्शकों को दिया कॉमेडी का डोज

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव अपने एक्शन के लिए जाने जाते हैं। पर्दे पर वे दुश्मनों के छक्के छुड़ाते दिखते हैं। मगर, कॉमेडी के मामले में भी खेसारी कम नहीं। फिल्म 'श्री 420' का ट्रेलर देखकर तो कुछ यही पता चल रहा है। फिल्म के ट्रेलर को सुर म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है। इसमें खेसारी लाल के अलावा मधु शर्मा और श्वेता महारा भी अहम भूमिका में हैं। ट्रेलर कॉमेडी से भरपूर है, जिस देख आप ठहाके लगाने से खुद को नहीं रोक पाएंगे। खेसारी का अलग अंदाज दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। फिल्म 'श्री 420' के ट्रेलर को चार लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। इसके अलावा दर्शकों की भी इस पर जबर्दस्त प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर लिख रहे हैं कि ट्रेलर देख फिल्म के प्रति दिलचस्पी बढ़ गई है। फिल्म का एलान इसी साल चुलाई में किया गया था। आगामी फिल्म में अभिनेता खेसारी लाल ठग के रूप में नजर आएंगे। फिल्म में संजय पांडे, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैस, श्रद्धा नवल, निशा गुप्ता और उमाकांत राय जैसे सितारे भी अहम रोल में नजर आएंगे। फिल्म को मधु शर्मा और समीर आफताब प्रोड्यूस कर रहे हैं। खेसारी लाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से भी एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें दर्शकों से ट्रेलर देख उस पर प्रतिक्रिया देने की गुजारिश की है। साथ ही यह वादा किया है कि फिल्म 'श्री 420' में उन्हें जबर्दस्त कॉमेडी दिखाई देगी। इसके अलावा खेसारी अपने हालिया रिलीज गाने 'बहिनी' के प्यार को लेकर भी चर्चा में हैं। यह रक्षाबंधन स्पेशल गाना खेसारी की आगामी फिल्म 'अग्नि परीक्षा' का है।

फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया की तरफ से नई दिल्ली में इंडियन कोचर वीक 2025 का आयोजन हुआ। जिसमें सारा अली खान ने डिजाइनर आयशा राव की बनाई ड्रेस में शानदार रैंप वॉक की। जहां उनकी ड्रेस में रॉयल टच नजर आया, वहीं वॉक भी बहुत ग्रेसफुल रही। सारा अली खान ने जिस लहंगे और टॉप को कैरी किया, उसका डिजाइन नेचर से इंस्पायर है।

सारा ने ट्रेडिशनल लुक में की रैंप वॉक

लाइफ स्टाइल

# स्टाइलिश दिखने के लिए कपड़ों पर लगाएं इस तरह की पिन, ताजा हो जाएंगी पुरानी यादें

पिन एक खूबसूरत फैशन एक्सेसरी है, जिसका इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है। इनका उपयोग न केवल कपड़ों को जगह पर रखने के लिए किया जाता है, बल्कि ये स्टाइल का भी एक अहम हिस्सा होती हैं। आजकल बाजार में कई तरह की पिन उपलब्ध रहती हैं, जो पुराने जमाने की याद दिलाती हैं। आप सुंदर दिखने के लिए इस डिजाइन की पिन लगा सकती हैं, जो आपके लुक को शानदार बना देंगी।

**एंकर पिन :** एंकर पिन आप समुद्र तट की यात्रा के दौरान पहन सकती हैं। ये पिन नाविकों और समुद्री यात्रियों द्वारा पहनी जाती थीं। इनका डिजाइन एंकर के आकार का होता है, जो समुद्री जीवन की याद दिलाता है। आजकल ये पिन भी फैशन का हिस्सा बन गई हैं और इन्हें विभिन्न मौकों पर पहना जा सकता है। इनका उपयोग न केवल कपड़ों को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है, बल्कि कपड़ों की शोभा बढ़ाने के लिए भी होता है।

**फूलों वाली पिन :** फूलों वाली पिन फूलों के आकार की होती हैं और इन्हें खासतौर पर महिलाओं द्वारा पहना जाता था। ये पिन किसी भी पोशाक को खूबसूरत बनाने का काम करती थीं और इन्हें कई मौकों पर पहना जा सकता था। आजकल भी ये पिन बहुत लोकप्रिय हैं और इन्हें विभिन्न डिजाइन में पाया जा सकता है। आप सूरजमुखी, गुलाब, लिली, ट्यूलिप और गुड़हल जैसे फूलों वाली पिन लगाकर साधारण कपड़ों भी सुंदर बना सकती हैं।

### तितली वाली पिन

तितली वाली पिन तितली के आकार की होती हैं, जो जानवरों से प्रेम करने वालों के लिए बढ़िया है। ये पिन न केवल सुंदरता बढ़ाती हैं, बल्कि इन्हें पहनने से आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इनका उपयोग किसी भी मौके पर किया जा सकता है, चाहे वह शादी हो या पार्टी। तितली वाली पिन का डिजाइन ऐसा होता है कि ये हर पोशाक के साथ जंचती है। खास तौर से गाउन, ड्रेस, कोर्सेट-टॉप या कुर्ती के साथ यह बढ़िया लगेगी।

### दिल के आकार वाली पिन

दिल के आकार वाली पिन बच्चों-बड़ों सभी को पसंद आती हैं, जो प्यार और स्नेह का प्रतीक होती हैं। इन्हें पुराने समय में वैलेंटाइन डे जैसे खास मौकों पर पहना जाता था। आजकल भी ये पिन फैशन का हिस्सा बन गई हैं और इन्हें विभिन्न मौकों पर पहना जा सकता है।आप अपने पार्टनर के साथ डेट पर जाते हुए ये पिन लगा सकती हैं और उनका दिल जीत सकती हैं।

# रक्षाबंधन पर भाइयों को चुनने चाहिए ये शानदार आउटफिट, लगेंगे बेहद आकर्षक

फैशन

रक्षाबंधन 9 अगस्त को मनाया जाएगा, जिसका हर भाई-बहन को बेसब्री से इंतजार रहता है। यह दिन भाई-बहन के प्रेम को समर्पित है और उनके अटूट रिश्ते का प्रतीक कहलाता है। इस पर्व पर केवल बहनों को ही नहीं, बल्कि भाइयों को आकर्षक कपड़ों में तैयार होना चाहिए। अगर आप इस साल के उत्सव में पहनने के लिए आउटफिट के विकल्प तलाश रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। आज के फैशन टिप्स में जानिए रक्षाबंधन के लिए आउटफिट।

**सदरी के साथ कुर्ता-पायजामा :** त्योहारों पर कुर्ता-पायजामा तो सभी पहनते हैं। हालांकि, आप अलग दिखने के लिए इस रक्षाबंधन पर इस परिधान के साथ सदरी भी पेयर कर सकते हैं। सदरी एक तरह की जैकेट होती है, जिसे कोटी भी कहा जाता है। गोल्डन, सिल्वर या किसी एक रंग वाले कुर्ते-पायजामे के साथ प्रिंटेड सदरी पहनें। आप प्रिंटेड कुर्ते के ऊपर किसी एकल रंग वाली सदरी भी पहन सकते हैं।

**शर्ट और लिनन पैंट :** आज के समय में पुरुष स्टाइल के साथ-साथ आराम को भी प्राथमिकता देते हैं। इसलिए, रक्षाबंधन के दिन राखी बंधवाते समय शर्ट के साथ लिनन पैंट स्टाइल करना सही निर्णय होगा। आप थोड़े पारंपरिक लुक के लिए प्रिंटेड शर्ट या चाइनीज कॉलर वाली शर्ट का चुनाव कर सकते हैं। लिनन पैंट इन दिनों चलन में भी हैं। ये पैंट हवादार होने के साथ ही आरामदायक भी होती हैं।

**शर्ट कुर्ता और वाइड लेग जींस :** अगर आपको कुर्ता पसंद है, लेकिन आप कुर्ता-पायजामा नहीं पहनना चाहते हैं तो यह विकल्प चुनें। आप एकल रंग वाला या आकर्षक प्रिंट वाला शर्ट कुर्ता पहनकर सबसे स्टाइलिश नजर आएंगे। इस तरह के कुर्ते के साथ वाइड लेग डेनिम जींस सबसे अच्छी लगती हैं। यह आउटफिट न केवल स्टाइलिश दिखेगा, बल्कि परंपरा और आधुनिकता का सही संगम होगा। अगर आप चाहें तो इसे आउटफिट के साथ एक दुपट्टा भी कैरी कर सकते हैं।

**पठानी सूट :** इस बार रक्षाबंधन पर कुछ अलग पहनने की इच्छा रखने वाले पुरुष पठानी सूट को अपना सकते हैं। यह एक शाही लुक प्रदान करेगा और बेहद आरामदायक भी होगा। एक सफेद रंग की पठानी सलवार या पायजामे के साथ चमकीले रंग वाला पठानी कुर्ता पहनें।

**ओवरसाइज्ड टी-शर्ट और ट्रॉउजर :** अगर आपको पारंपरिक कपड़े पहनने का शौक नहीं है तो आप ओवरसाइज्ड टी-शर्ट का चुनाव भी कर सकते हैं। इसके साथ ढीले-ढाले ट्रॉउजर स्टाइल करें, जो आरामदायक होने के साथ-साथ आकर्षक भी दिखते हैं। जहां रक्षाबंधन के दिन सभी पारंपरिक परिधानों में होंगे, आप इस आउटफिट में सबसे अलग दिखेंगे। एसेसरीज के लिए घड़ी, अंगूठियां और धूप का चश्मा लगाना सही रहेगा। इस लुक के साथ पैरों में स्नीकर्स स्टाइल करें।

# पीली साड़ी के साथ चुनें इन रंग के ब्लाउज, दिखेंगी सबसे ज्यादा बेहतरीन

पीली साड़ी भारतीय महिलाओं के बीच एक बहुत ही लोकप्रिय और पारंपरिक परिधान है। यह न केवल आकर्षक होती है, बल्कि इसे सही ब्लाउज के साथ पहनने पर और भी ज्यादा खूबसूरत लगती है। पीली साड़ी के साथ सही रंग का ब्लाउज चुनना बहुत जरूरी है ताकि आपका लुक पूरा हो सके। आइए जानते हैं कि पीली साड़ी के साथ कौन से रंग का ब्लाउज पहनना सबसे अच्छा है।

**लाल रंग का ब्लाउज :** लाल रंग का ब्लाउज पीली साड़ी के साथ बहुत ही शानदार लगता है। यह रंग न केवल आपके लुक को निखारता है, बल्कि आपको एक अलग ही आकर्षण भी देता है। लाल और पीले का मेल हमेशा से ही लोकप्रिय रहा है और यह कभी भी फैशन से बाहर नहीं होता है।

अगर आप किसी खास मौके पर या त्योहारों पर पहनने के लिए सोच रही हैं तो लाल ब्लाउज एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

### हरे रंग का ब्लाउज

हरा रंग का ब्लाउज पीली साड़ी के साथ एक ताजा और जीवंत दिखता है। यह रंग आपके लुक में एक नई जान डालता है और आपको खास बनाता है। हरे रंग की विविधता जैसे हल्का हरा, गहरा हरा या फिर हल्के शेड्स भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं। हरे रंग का ब्लाउज पहनकर आप न केवल आकर्षक लगेंगी, बल्कि आपका पूरा लुक भी खास लगेगा। यह रंग आपके व्यक्तित्व को और भी निखारता है।

### नीले रंग का ब्लाउज

नीला रंग का ब्लाउज पीली साड़ी के साथ बहुत ही खूबसूरत लगता है। यह रंग न केवल आपके लुक को खास बनाता है, बल्कि इसे पहनने से आपको एक अलग ही चमक मिलती है। नीले और पीले का मेल हमेशा से ही आकर्षक रहा है और यह कभी भी फैशन से बाहर नहीं होता।

# डेनिम स्कर्ट के साथ पहनें ऐसे अपरवियर लगते हैं अच्छे, लगेंगी एकदम स्टाइलिश

डेनिम स्कर्ट एक ऐसा परिधान है, जो हर महिला की अलमारी में होना चाहिए। यह न केवल आरामदायक है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखती है। इसे अलग-अलग ऊपरी पहनावे के साथ मिलाकर पहना जा सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप डेनिम स्कर्ट के साथ अलग-अलग और आकर्षक लुक पा सकती हैं। इन टिप्स से आप हर मौके पर तैयार और स्टाइलिश दिख सकती हैं।

**सफेद टी-शर्ट या टॉप :** सफेद टी-शर्ट या टॉप हमेशा से ही एक बेहतरीन और समय-समय पर चलन में रहने वाला विकल्प रहा है। यह न केवल आरामदायक है, बल्कि डेनिम स्कर्ट के साथ बहुत ही अच्छा लगता है। सफेद टी-शर्ट

के साथ आप एक सादा और साफ-सुथरा लुक पा सकती हैं, जो हर मौके पर उपयुक्त होता है। इसे आप स्नीकर्स या सैंडल के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका पूरा लुक और भी खास बनेगा।

**प्रिंटेड टी-शर्ट :** प्रिंटेड टी-शर्ट एक मजेदार और युवा दिखने वाला विकल्प है, जिसे आप अपनी डेनिम स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। इसमें अलग-अलग डिजाइन, शब्द या चित्र हो सकते हैं, जो आपके व्यक्तित्व को दर्शाते हैं। यह लुक खासतौर पर रोजमर्रा के उपयोग के लिए या दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए आदर्श है। प्रिंटेड टी-शर्ट के साथ स्नीकर्स या पंप्स पहने जा सकते हैं, जिससे आपका पूरा लुक और भी आकर्षक बनेगा।

**काले रंग का टैंक टॉप :** काले रंग का टैंक टॉप एक बेहद स्टाइलिश और आकर्षक विकल्प हो सकता है, जिसे आप अपनी डेनिम स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। यह लुक खासतौर पर शाम की पार्टी या किसी खास मौके पर जाने के लिए उपयुक्त है। काले रंग के टैंक टॉप के साथ आप हील्स या फ्लैट फुटवियर्स पहन सकती हैं, जिससे आपका पूरा लुक और भी खास बनेगा।

कार्नर न्यूज

## सुंदर और स्टाइलिश विकल्प, जो हर उम्र की महिला पर जचती है

# बेल बॉटम जींस के साथ चुनें स्टाइलिश फुटवियर्स, लगेंगी बहुत खूबसूरत

बेल बॉटम जींस एक सुंदर और स्टाइलिश विकल्प है, जो हर उम्र की महिला पर जचती है। इन जींस को पहनने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इन्हें सही फुटवियर्स के साथ पहनें ताकि आपका लुक पूरा और आकर्षक लगे। सही फुटवियर्स न केवल आपके लुक को पूरा करते हैं, बल्कि आपको आराम भी देते हैं। आइए जानते हैं कि बेल बॉटम जींस के साथ कौन-कौन से फुटवियर्स अच्छे लगते हैं।

### हाई हील्स फुटवियर्स

बेल बॉटम जींस के साथ हाई हील्स फुटवियर्स पहनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये आपके कद को बढ़ाते हैं और साथ ही आपके लुक को और भी खास बनाते हैं। आप चाहें तो हाई हील्स या थोड़ी कम हील्स वाले फुटवियर्स चुन सकती हैं, बस ध्यान रखें कि ये आरामदायक हों ताकि चलने में कोई दिक्कत न हो। इस तरह आप किसी भी मौके पर आकर्षक दिख सकती हैं और आराम महसूस कर सकती हैं।

### स्पोर्ट्स शूज

अगर आप आरामदायक रहना चाहती हैं तो बेल बॉटम जींस के साथ स्पोर्ट्स शूज एक अच्छा विकल्प हो सकता है। ये न केवल आरामदायक होते हैं बल्कि वे आपके लुक को रोजमर्रा के लिए उपयुक्त और स्टाइलिश भी बनाते हैं। आप चाहें तो अलग-अलग रंगों और डिजाइनों के स्पोर्ट्स शूज चुन सकती हैं, जो आपकी जींस के रंग से मेल खाते हों। इस तरह आप हर दिन नई ऊर्जा और ताजगी महसूस करेंगी।

### फ्लैट सैंडल

गर्मियों में फ्लैट सैंडल एक अच्छा विकल्प हो सकता है। ये न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाते हैं। फ्लैट सैंडल में कई तरह के डिजाइन उपलब्ध होते हैं, जैसे कि बेल्ट वाली सैंडल आदि, जिन्हें आप अपनी बेल बॉटम जींस के साथ मैच कर सकती हैं। इनका चयन करते समय ध्यान रखें कि सैंडल हल्के और आरामदायक हों ताकि पूरे दिन इन्हें पहनने में कोई परेशानी न हो।

### फ्लैट बूट्स

फ्लैट बूट्स भी बेल बॉटम जींस के साथ अच्छी लगते हैं। ये न केवल स्टाइलिश होते हैं बल्कि ठंडे मौसम में गर्माहट भी प्रदान करते हैं। फ्लैट बूट्स को आप किसी भी मौके पर पहन सकती हैं, चाहे वह ऑफिस हो या पार्टी। इनका चयन करते समय ध्यान रखें कि बूट्स आरामदायक हों ताकि पूरे दिन इन्हें पहनने में कोई परेशानी न हो। इस तरह आप हर मौसम में आकर्षक दिख सकती हैं और आराम महसूस कर सकती हैं।